RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 अनुपमा ने टार्गेटेड ट्रोलिंग पर...

वर्ष : 27 | अंक : 182 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 23 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

शिक्षा समाज में लाती है समानता : धनखड़

उपराष्ट्रपति ने एमिटी यूनिवर्सिटी में एआईयू की वार्षिक बैठक का किया उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि शिक्षित समाज देश में समानता लाता है। शिक्षित समाज ही एक मजबूत व विकसित राष्ट्र बना सकता है। इसलिए शिक्षाविदों पर राष्ट्र को मजबूत बनाने का बड़ा भार है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की 99वीं वार्षिक बैठक और कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन 2024-25 के उद्घाटन सत्र में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने मंच पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा तथा एमिटी विवि. के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान ने किया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के आईटी मंत्री डॉ. सुनील कुमार शर्मा, एआईयू के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पाठक, एमिटी विवि. की चांसलर डॉ. बलविन्दर शुक्ला व अन्य मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस दौरान एमिटी विवि. में पौधा भी लगाया।

अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज इस सम्मेलन में आकर उन्हें विद्यार्थी जैसा महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज में समानता लाती है। उन्होंने कहा कि आज देश के महान विचारक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस है। उन्होंने कहा था कि -एक विधान, एक निशान और एक प्रधान ही देश में होगा, दो नहीं। आज उन्हीं की इस विचारों पर चलते हुए जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटा दी गई है।

उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों के सामने राष्ट्र को मजबूत बनाने तथा आधुनिक शिक्षा से युवा पीढ़ी को रूबरू कराने की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान द्वारा स्थापित एमिटी यूनिवर्सिटी की आधुनिक शिक्षा तथा शैक्षिक वातावरण के लिए भी बधाई दी।

समाजवादी पार्टी ने तीन विधायकों को पार्टी से निकाला

पीडीए विरोधी बताकर लिया बड़ा एक्शन

लखनऊ (ब्यूरो)। समाजवादी पार्टी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए पार्टी के तीन विधायकों को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। निकाले गए विधायकों में गोशाईगंज से विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय शामिल हैं। पार्टी ने इन विधायकों पर सांप्रदायिक और विभाजनकारी सियासत को **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सपा पूरी तरह हाशिए पर : पाठक

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा आलाकमान द्वारा निकाले गए विधायक के मुद्दे पर कहा कि भाजपा की सांस्कृतिक विचारधारा है कि हम सबको साथ लेकर आगे बढ़ते हैं। लेकिन सपा अलग-अलग आरोप लगाती है और अपने ही कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करती है। सपा पूरी तरह से हाशिए पर चली गई है और कई नेता तनाव में हैं, उनकी जमीन खिसक रही है। लोग अभी भी उनके कार्यकाल में व्यास गुंडागर्दी और अराजकता को नहीं भूले हैं। सपा से निष्कासित तीन विधायकों के भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कृपया प्रतीक्षा करें, हम आपसे फिर मिलेंगे। लेकिन हम सभी जनप्रतिनिधियों का दिल से स्वागत करते हैं। हमारी सरकार और पार्टी उनके साथ खड़ी है।

ग्रेटर नोएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टीटयूट में टाइम्स सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करती उप्र की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, गौतमबुद्धनगर के सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह।

अवैध बिल्डिंगों में चल रहे शोरूम पर गाज गिरना तय

प्राधिकरण ने भेजे रिमाइंडर नोटिस

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की जमीन पर बनी अवैध बिल्डिंगों में चल रहे विभिन्न शोरूम पर अब गाज गिरना तय है। नोएडा प्राधिकरण ने ऐसे करीब एक दर्जन शोरूम संचालकों को अनुस्मरण नोटिस या यूं कहें कि अंतिम नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि वे शीघ्र ही अपना शोरूम व सामान वहां से हटा लें वर्ना ध्वस्तीकरण कार्रवाई के दौरान हुई क्षति के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। बता दें कि सलारपुर, भंगेल, बरौला समेत वर्क सर्किल -3, 6, 5 तथा 88 में दो दर्जन से अधिक अवैध बिल्डिंगों में मारूति, जोडिया, एशियन पेंट तथा किया ऑटोमोबाइल्स के शोरूम चल रहे हैं। इनको प्राधिकरण ने पहले भी नोटिस दिया तथा सभी अवैध बिल्डिंगों में लाल से लिखवा दिया कि- 'यह बिल्डिंग अवैध है।' **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जालसाजी कर फर्जी बैनामा कराया

नोएडा (चेतना मंच)। जालसाज ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए अपने परिचित की जमीन का बैनामा फर्जी तरीके से दूसरे के नाम करा दिया। फर्जीवाड़े की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने चार लोगों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम कैलावाड़ा कला जनपद मुजफ्फरनगर निवासी रविंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पूर्वजों की कुछ भूमि ग्राम खंडेरा तहसील दादरी में है। वर्ष-2023 में उनके जानकार प्रीतम सिंह पुत्र भरत निवासी ग्राम आनंदपुर ने उन्हें बताया कि अगर वह अपनी खंडेरा गांव की जमीन को बेचना चाहते हैं तो उसके पास कुछ खरीददार हैं। रविंद्र कुमार के मुताबिक उनके बड़े भाई श्यामवीर सिंह अपने हिस्से की जमीन बेचने के लिए तैयार हो गए। कुछ समय बाद प्रीतम सिंह ने बताया कि उनके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है इसलिए तहसील के अभिलेखों में उनके पिता जगपाल सिंह का नाम ही दर्ज है। प्रीतम सिंह ने जमीन की खसरा खतौनी में उनका नाम दर्ज करने के लिए दोनों भाइयों से **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मानसिक रूप से कमजोर बच्चा लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के प्रीत विहार से एक 10 वर्ष से बालक घर से बिना बताए चला गया परिजनों के मुताबिक बालक मानसिक रूप से भी कमजोर है। प्रीत विहार छपरौला में रहने वाली रिंकी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 2 जून की दोपहर को उनका 10 वर्षीय से बेटा घर से बिना बताए चला गया। काफी देर तक वापस न लौटने पर उसकी तलाश की गई लेकिन कोई पता नहीं चला। रिंकी के मुताबिक उनका बेटा मानसिक रूप से कमजोर है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर ले गया है और बालक की तलाश की जा रही है।

उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल 127 पीसीएस अफसरों के तबादले

नोएडा के नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र को सिद्धार्थनगर का एसडीएम बनाया

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश शासन ने देर रात उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने 127 पीसीएस अफसर के तबादले कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश में लंबे समय बाद योगी सरकार ने इतना बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने देर रात 127 पीसीएस अफसर के तबादले कर दिए। नोएडा के नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र को सिद्धार्थनगर का एसडीएम बनाया गया है। जबकि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में तैनात ओएसडी जितेंद्र गौतम को गोंडा का उप जिलाधिकारी

बनाया गया है। एसडीएम महाराजगंज मुकेश कुमार सिंह को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ओएसडी के पद पर तैनात किया गया है।

वहीं पीसीएस कुमार चंद्रबाबू को एसडीएम सीतापुर से बदायूं भेजा गया है। पीसीएस संगीता राघव को सहारनपुर से लखनऊ विकास प्राधिकरण में विशेष कार्य अधिकारी बनाया गया है। एसडीएम मथुरा श्वेता को सहायक निदेशक उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के पद पर भेजा गया है।

लखनऊ मेट्रो के विशेष कार्य अधिकारी पीसीएस अजय आनंद वर्मा को औरैया का एसडीएम बनाया गया है। पीसीएस शशि भूषण पाठक को अमरोहा का एसडीएम बनाया गया है। इससे पहले वह लखनऊ विकास प्राधिकरण में ओएसडी के पद पर तैनात थे।

पूरी लिस्ट पेज-3 पर देखें

तमंचे के साथ बदमाश पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे एक बदमाश को थाना दादरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम रेलवे रोड चौकी क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि रूपवास बाईपास के कैलाशपुर रोड बिजली घर के सामने एक बदमाश अवैध असलाह के साथ खड़ा हुआ है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर एक युवक को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम मुस्तकीम पुत्र यामीन निवासी दौलतराम मार्केट कस्बा दादरी बताया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

प्राधिकरण की जमीन पर अवैध बहुमंजिला इमारत का निर्माण

प्राधिकरण के लेखपाल ने दर्ज कराई एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध कब्जा कर बहुमंजिला इमारत बनाने तथा इमारत पर लगी सील तोड़ने के दो मामलों में थाना एक्सप्रेस में मुकदमा दर्ज कराया गया है। नोएडा प्राधिकरण के लेखपाल की शिकायत पर 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के लेखपाल विनय कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम वाजितपुर में नोएडा प्राधिकरण की अर्जित कब्जा प्राप्त भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से अनधिकृत निर्माण किया गया। इस मामले में संजय चौहान, देवेंद्र चौहान, संजय चौहान, अतुल व अभिषेक को निर्माण रोके जाने के लिए पूर्व में कई बार नोटिस भेजे गए। इसके बावजूद भी इन्होंने निर्माण कार्य नहीं बंद किया। निर्माण कार्य बंद ने किए जाने पर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने 2 अप्रैल को बन रही इमारत को सील कर दिया था। लेखपाल का आरोप है कि नोएडा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना अवैध तरीके से बलपूर्वक आरोपियों द्वारा बहु मंजिला इमारत बनाई जा रही है। इस निर्माण कार्य से नोएडा प्राधिकरण का सुनियोजित विकास प्रभावित होगा। लेखपाल की शिकायत पर पांचो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

पुलिस को देख रेत से भरा ट्रेक्टर छोड़कर भागा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस को देखकर अवैध रूप से रेत खनन कर ले जा रहा चालक ट्रैक्टर ट्राली को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। थाना ईकोटेक-1 पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में बीपीएल कंपनी के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम मोतीपुर मढैया के जंगलों में रेत का खनन करने वाले व्यक्ति ट्रैक्टर ट्राली के जरिए रेत लेकर जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एएमआर माल वाले रास्ते पर रेत से भरी आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली के चालक को रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर चालक ट्रैक्टर ट्राली को चालू हालत में मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस टीम ने ट्रैक्टर ट्राली को अपने कब्जे में ले लिया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गाजियाबाद में चेन लूटकर फैलाया आतंक, पुलिस की गोली से हुआ लंगडा

गाजियाबाद। थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा छिनैती की घटना करने वाले बदमाश प्रज्जवल ठाकुर उर्फ प्रिंस उर्फ पीयूष उर्फ पूसी पुत्र सुशील ठाकुर हाल नि0 मण्डावली, वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली मूल नि0 घाटोली, भरतपुर, राजस्थान उम्र करीब 29 वर्ष के द्वारा छिनैती की घटना से संबंधित माल बरामदगी के दौरान हमला करने के बाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस एलेवेटिड रोड के नीचे यूपीगेट पुल की तरफ पुलिस पार्टी माल बरामदगी के लिए गई थी तभी बदमाश ने ऐम बनाकर जान से मारने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आपातकाल के लोकतंत्र विरोधी कृत्यों पर भाजयुमो का मंथन 27 को

गौतमबुद्धनगर व गाजियाबाद के सैकडों कार्यकर्ता होंगे शामिल : अर्पित मिश्रा

नोएडा (चेतना मंच)। कांगेस शासनकाल में देश में थोपे गये आपातकाल की 50वीं बरसी पर 27 जून को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा समूचे प्रदेश में नौ जनपदों में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गौतमबुद्धनगर तथा गाजियाबाद का संयुक्त रूप से यह कार्यक्रम गाजियाबाद में होगा। यह जानकारी भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी ने दी। इस कार्यक्रम में आपातकाल के लोकतंत्र विरोधी कृत्यों को उजागर किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लोभ में लोकतंत्र की हत्या कर संविधान को कुचला। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए, मीडिया पर ताले लगाए और लाखों

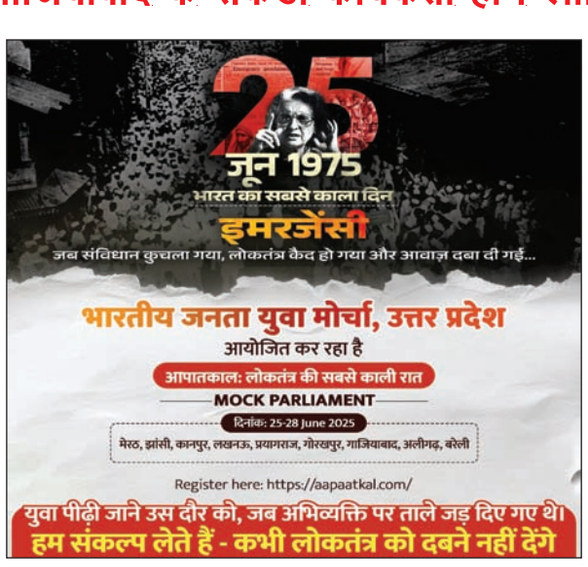

निर्दोष लोगों को जेलों में डालकर दमनकारी शासन का काला अध्याय लिखा। इस ऐतिहासिक सच्चाई से वर्तमान पीढ़ी को परिचित कराना अति आवश्यक है ताकि भविष्य में कभी ऐसा दुशासन दोहराया न जा सके।

इस अभियान के संयोजक युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री वरुण गोयल हैं। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वयन में शिवबीर भदौरिया, रोहित मिश्रा, अनुभव द्विवेदी, सौरभ भूषण शर्मा, रंजीत राय, अमल खटीक, सोनू वाल्मीकि, राजेश राजभर एवं दीपक मल्ल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही भाजयुमो के क्षेत्रीय अध्यक्षगण सुखविंदर सोम, मनीष गौतम, नितिन मित्तल, सुनील साहू, शैलेन्द्र मौर्या एवं श्री पुरुषार्थ सिंह सहित समस्त युवा कार्यकर्ता दिन-रात जुटकर इस कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान कर रहे हैं।

यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के मेरठ, झांसी, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ एवं **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

घटिया निर्माण सामग्री लगाने का विरोध करना भारी पड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। फैक्ट्री के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाने का विरोध करना मलिक को खासा महंगा पड़ा। शिकायत से गुस्साए ठेकेदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर फैक्ट्री मालिक व उसके बेटे के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना रबूपुरा में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जयपुरिया सनराइज ग्रीन्स इंदिरापुरम गाजियाबाद निवासी रणधीर सिंह रावत ने बताया कि वह यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक प्राधिकरण के सेक्टर 29 ग्रेटर नोएडा में अपनी फैक्ट्री का निर्माण कार्य कर रहा है। उन्होंने अपनी फैक्ट्री के निर्माण के लिए सुनील राजपूत अंबुज कुमार व शुभम त्यागी को कंस्ट्रक्शन का ठेका दिया था। रणधीर सिंह रावत के मुताबिक 22 जून के शाम को वह अपने पुत्र नितिन रावत के साथ अपनी निर्माणाधीन फैक्ट्री को देखने के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंचे थे। निर्माण कार्य के दौरान उन्हें मटेरियल सहित अन्य कई खामियां मिली। उन्होंने इस बारे में सुनील राजपूत अंबुज कुमार से अच्छी क्वालिटी का मटेरियल लगाने तथा बेहतर तरीके से काम करने को कहा। इस बात को लेकर दोनों भड़क गए और वाद विवाद करने लगे।

रणवीर सिंह रावत के मुताबिक सुनील राजपूत, अंबुज, शिवम त्यागी वह उनके साथियों ने लोहे की सरिया, लाठी-डंडों से उन पर हमला बोल दिया। इस हमले में उन्हें तथा उनके बेटे को गंभीर चोट आई। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

इजरायल-ईरान युद्ध

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान परमाणु हमले की नौबत नहीं आएगी। अमरीका ईरान के भूमिगत परमाणु कार्यक्रम पर इतना घातक हमला नहीं करेगा, जिससे परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो जाए और पर्यावरण में विकिरण फैल जाए। यदि ऐसा होता है, तो एक और चेरनोबिल दुर्घटना दुनिया को देखनी पड़ सकती है। जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों का विध्वंस और करीब 2.2 लाख मौतों का इतिहास दुनिया को आज भी याद है। अमरीका ने अगस्त, 1945 में जापान के शहरों पर सबसे पहले एटम बम फेंके थे, जिनके नकारात्मक प्रभाव पीढ़ी-दर-पीढ़ी देखे गए। उस जनसंहारक हमले के 80 साल पूरे होने को हैं। मौजूदा इजरायल-ईरान युद्ध में अमरीका की भूमिका क्या होगी, यह बिल्कुल अस्पष्ट है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'अंतिम सेकंड में फैसला लेने' की बात कही है। वह अपने बयान बदलते रहे हैं। वह अहंकार की मुद्रा में हैं कि कोई नहीं जानता कि उनका फैसला क्या होगा? वैसे रूस और चीन के राष्ट्रपतियों ने आपस में फोनिक बातचीत करने के बाद अमरीका को चेतावनी दी है कि वह इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से न घुसे। इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। यह चर्चा लगातार जारी है कि अमरीका अपने विशेष 'बंकरफोड़ बम' का इस्तेमाल कर ईरान के भूमिगत 'फोर्दू' परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर सकता है। ऐसे बम और विमान सिर्फ अमरीका के पास ही हैं। यह परमाणु कार्यक्रम जमीन के अंदर 90 मीटर की गहराई में चलाया जा रहा है। अमरीकी विशेष बम भी 60-62 मीटर की गहराई तक बंकर को तोड़ सकता है। हालांकि इजरायल ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों-नतांज, इस्फहान और फोर्दू-पर हवाई हमले किए हैं। उनमें से नतांज पर काफी नुकसान हुआ है, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को तबाह नहीं किया जा सका है। 'चेरनोबिल' की स्थिति तब पैदा होगी, जब परमाणु ठिकाने पूरी तरह तबाह कर दिए जाएंगे। 'चेरनोबिल' परमाणु दुर्घटनाओं के इतिहास की सबसे अधिक घातक और खौफनाक दुर्घटना थी। यह सोवियत संघ के दौर में यूक्रेन के एक शहर में 26 अप्रैल, 1986 को हुई। उससे पैदा विकिरण से मुक्त करने और हादसे को अधिक बिगडने से रोकने में तत्कालीन 1.8 करोड़ सोवियत रूबल (करीब 5 खरब भारतीय रुपए) खर्च करने पड़े थे। हालांकि दुर्घटना से तुरंत 100 मौतें हुई थीं, लेकिन उसके प्रभाव जारी रहे, लिहाजा मौतों और बीमारियों को गिना नहीं जा सका। हिरोशिमा और नागासाकी के एटमी हमले ने पूरी दुनिया को सचेत कर दिया था, लिहाजा 1970 में 'परमाणु अप्रसार संधि' (एनपीटी) पर अधिकतर प्रमुख देश सहमत हुए थे। ईरान सबसे पहले हस्ताक्षर करने वाले देशों में था, लेकिन इजरायल ने आज तक संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। शायद परमाणु हमले का खौफ और विध्वंस दुनिया देख चुकी थी, नतीजतन आज तक 9 देश ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। यह विश्लेषण इसलिए करना जरूरी समझा गया, क्योंकि इजरायल ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को बिल्कुल ही नेस्तनाबूद करना चाहता है और अमरीका उसके पीछे खड़ा है। विश्व शांति या परमाणु अप्रसार अमरीका या इजरायल की बपौती या ठेकेदारी नहीं है। बेशक परमाणु हथियार खत्म करना, कम करना और भविष्य में बनने न देना एक अपरिहार्य शर्त हो सकती है, लेकिन क्या इजरायल और पाकिस्तान सरीखे देशों पर यह शर्त लागू नहीं होती? पर्यावरण खतरों के मद्देनजर परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग, स्वच्छ बिजली के लिए, दुनिया भर में होना लाजिमी है। भारत में भी परमाणु ऊर्जा के 22 रिएक्टर सक्रिय हैं और रूस के सौजन्य से निर्माणाधीन भी हैं। हम परमाणु शक्ति संपन्न देश भी हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों से बंधे हैं। ताकतवर देश मनमर्जी से किसी भी देश के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को इस आधार पर ध्वस्त नहीं कर सकते कि वह परमाणु बम बना रहा है और दुनिया के अस्तित्व को खतरा पैदा हो सकता है। फिर तो स्वच्छ बिजली के लिए परमाणु ऊर्जा प्लांट लगेंगे ही नहीं और अंततः पर्यावरण का लक्ष्य बाधित होगा। अमरीका ने 1991 के 'खाड़ी युद्ध' के दौरान इराक में तुवैथा के दो ऑपरेशनल रिएक्टर तबाह कर दिए थे। लंबे 34 साल में क्या हासिल किया गया? क्या अमरीका ईरान को परमाणु बम बनाने से बिल्कुल रोक पाएगा? हमारा यही यक्ष-प्रश्न है। विश्व में शांति कायम रखने के लिए इस युद्ध को रोकना जरूरी है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि योग्यता के अनुसार घरों को बाँटकर रावण ने सब राक्षसों को सुखी किया। एक बार वह कुबेर पर चढ़ दौड़ा और उससे पुष्पक विमान को जीतकर ले आया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-कौतुकहीं कैलास पुनि लीन्हेसि जाइ उठाइ।
मनहुँ तौलि निज बाहुबल चला बहुत सुख पाइ॥

फिर उसने जाकर (एक बार) खिलवाड़ ही में कैलास पर्वत को उठा लिया और मानो अपनी भुजाओं का बल तौलकर, बहुत सुख पाकर वह वहाँ से चला आया॥

सुख संपति सुत सेन सहाई। जय प्रताप बल बुद्धि बड़ाई॥
नित नूतन सब बाढ़त जाई। जिमि प्रतिलाभ लोभ अधिकाई॥

सुख, सम्पत्ति, पुत्र, सेना, सहायक, जय, प्रताप, बल, बुद्धि और बड़ाई- ये सब उसके नित्य नए (वैसे ही) बढ़ते जाते थे, जैसे प्रत्येक लाभ पर लोभ बढ़ता है॥

अतिबल कुंभकरन अस भ्राता। जेहि कहुँ नहिं प्रतिभट जग जाता॥
करइ पान सोवइ षट मासा। जागत होइ तिहूँ पुर त्रासा॥

अत्यन्त बलवान कुम्भकर्ण सा उसका भाई था, जिसके जोड़ का योद्धा जगत में पैदा ही नहीं हुआ। वह मदिरा पीकर छह महीने सोया करता था। उसके जागते ही तीनों लोकों में तहलका मच जाता था॥

(क्रमशः...)

एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है योग

मानव का प्रकृति से अटूट सम्बन्ध होता है। समाज प्रकृति की व्यवस्था पर टिका हुआ है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। मानव या व्यक्ति समाज की एक इकाई है। कई व्यक्तियों का समूह समाज कहलाता है। मानवता का एकीकृत होना ही एकात्म मानववाद है। मानवता एकता का प्रतीक है। एकता अखण्डता को दर्शाती है। योग भारत की अक्षुण्ण एकता का परिचायक है। शरीर और आत्मा का एकीकरण मानवता को जन्म देता है। योग शरीर को आत्मिक अनुभूति प्रदान करता है। स्व के साथ अनुभूति ही दर्शन कहलाता है। एकात्म मानववाद दर्शन का ही हिस्सा है।

एकात्म मानववाद विचारधारा के जनक/प्रस्तावक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी थे। एकात्म मानववाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शक दर्शन है। योग अपनेपन को विकसित करता है। अपनापन, अकेलापन को दूर करता है। अपनापन का शाब्दिक अर्थ है- आत्मीयता । आत्मीयता अर्थात अपनी आत्मा के साथ मित्रता। कहने का तात्पर्य- मनुष्य कभी अकेला नहीं होता है। मनुष्य जब नकारात्मक विचारों से ग्रसित होता है तो वह आत्मीयता अनुभव नहीं करता है। नकारात्मकता अकेलेपन को जन्म देती है। सकारात्मकता अपनेपन को जन्म देती है। अपनापन ही अकेलापन को दूर करता है। भीड़ में शामिल होने से हम अपने को अपने आप से अलग करते हैं ।भीड़ में शामिल होना अर्थात अपने को अपने आप से अलग करना हुआ। अलग होना आत्मीयता के लक्षण नहीं हैं। अपने आप को अपने से अलग करके कभी भी अकेलापन दूर नहीं किया जा सकता है। अतएव अपनी आत्मीयता को बनाए रखें। जिससे जीवन में अकेलेपन का अनुभव न हो। कोई भी व्यक्ति इस धरती पर अकेला नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति भौतिक रूप से भौतिक संसाधनो व चारो ओर के आवरण से घिरा हुआ है। देखा जाए तो भौतिक रूप से भी व्यक्ति अकेला नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि कोई भी व्यक्ति न तो आध्यात्मिक रूप से अकेला है और न ही भौतिक रूप से। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। योग रोग को ख़त्म करता है। अयोग्य वह है जो असंतुलित है। असंतुलन आलस्य की निशानी है। आलसी व्यक्ति असंतुलित होता है। अयोग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए अनुपयुक्त होता है।

योग आलस्य और प्रमाद को दूर कर व्यक्ति को संतुलित करता है। संतुलन कर्मठता की निशानी है। योग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए उपयुक्त होता है। योग व्यक्ति को योग्य बनाता है। ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ में चरैवेति शब्द का उल्लेख मिलता है।

योग आलस्य और प्रमाद को दूर कर व्यक्ति को संतुलित करता है। संतुलन कर्मठता की निशानी है। योग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए उपयुक्त होता है। योग व्यक्ति को योग्य बनाता है। ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ में चरैवेति शब्द का उल्लेख मिलता है। चरैवेति अर्थात चलते रहना, रुकना नहीं। हर स्थिति और परिस्थिति में आगे ही आगे बढ़ते चलने का नाम जीवन है। जिस प्रकार बहते हुए जल में पवित्रता बनी रहती है उसी प्रकार निरंतर चलने वाले व्यक्ति में कर्मठता बनी रहती है। अयोग्यता ठहराओ के सिद्धांत पर आधारित है। अयोग्य व्यक्ति ठहरे हुए जल के समान है जबकि योग्य व्यक्ति बहते हुए जल के समान है। योग आंतरिक शांति या मन की शांति बनाए रखता है, जो मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। योग से शांति, सामंजस्यता और शालीनता का विकास होता है। योग आत्मनिर्भरता के मार्ग को प्रशस्त करता है। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। हिन्दू संस्कृति में राम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है।

प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है । 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम/प्रसंग है- एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य। अर्थात पृथ्वी पर बसने वाले सभी मानव स्वस्थ्य हो और उनकी काया निरोगी हो। योग का स्वास्थ्य से घनिष्ठ सम्बन्ध है। योग से शरीर में नवीन ऊर्जा का संचार होता है। यही नवीन ऊर्जा हमारे शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण करती हैं। शरीर को पुनर्निर्मित करने का काम योग का है। योग से एकात्म मानववाद का विस्तार होता है। अतएव योग वसुधैव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है) के दर्शन को फलीभूत करता है। योग से पूरा विश्व स्वस्थ्य होगा। एक स्वस्थ्य विश्व ही विश्व की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। अत: यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पूरे विश्व का स्वास्थ्य वैश्विक सम्पदा का आधार है। एक स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क नशे जैसी आदतों से दूर रहता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क स्वस्थ्य समाज की रीढ़ है। मानवता स्वस्थ्य मस्तिष्क में ही जन्म लेती है। एकात्म मानववाद की विचारधारा पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाती है। यदि पूरे विश्व की मानवता एक साथ एक मंच पर खड़ी हो जाए तो विश्व स्वर्ग हो जाएगा। इस्राइल- ईरान और रूस-यूक्रेन युद्ध अस्वस्थ्य विचारधारा का परिणाम है। मानवता जंग करना नहीं सिखाती। मानवता मानव के साथ प्रेम करना सिखाती है। एकात्म मानववाद एक स्वस्थ्य विचारधारा है। अतएव हम कह सकते हैं कि योग, एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है।

- डॉ. शंकर सुवन सिंह
शिक्षाविद एवं वरिष्ठ स्तम्भकार

बैंक नहीं, पोस्ट ऑफिस देगा बेहतर रिटर्न

अब बड़ी खबर यह है कि बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज घटाना शुरू कर दिया है। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में इसमें कटौती की। इसके पहले भी शीर्ष बैंक ने ब्याज दरें घटाई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये दरें अब लागू भी हो गई हैं। बैंक ने सभी अवधि के लिए एफडी दरों में 20 बेसिस प्वाइंट्स यानी 0.20 फीसदी की कटौती की है। एसबीआई ने पिछले महीने 15 अप्रैल को भी ब्याज दरों में कटौती की थी। कटौती के बाद अब एसबीआई आम नागरिकों के लिए 3.30 फीसदी और 6.70 फीसदी सालाना के बीच ब्याज दे रहा है। यह कटौती 3 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर लागू होगी। इससे पहले बैंक 7 दिनों से 10 साल तक की अवधि के लिए 3.50 फीसदी से 6.90 फीसदी तक ब्याज ऑफर कर रहा था। इसी तरह अन्य बैंक भी ब्याज दरों में कटौती करते जा रहे हैं। लेकिन जमाकर्ताओं के लिए इससे भी ज्यादा चिंता करने की वजह यह है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आने वाले समय में रैपो रेट में कटौती कर सकता है क्योंकि देश में मुद्रास्फीति की दर घटी है। सरकार चाहती है कि देश में कम ब्याज दरों का रिजीम हो। इससे उद्योगों तथा कृषि को बढ़ावा मिलेगा। कम ब्याज दरें लोगों और व्यवसायों को अधिक खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। लेकिन समस्या उन करोड़ों लोगों के लिए है जो अपने बुढ़ापे या अन्य स्थिति में बैंकों में जमा राशि के ब्याज से अपने खर्चे पूरे करते हैं। एफडी भारत में एक ऐसा इंस्ट्रूमेंट रहा है जो लोगों को सहारा देता है क्योंकि वह उनके पैसे को बढ़ाता है। अच्छी दरें मिल जाने से उन्हें बैठे-बैठे अतिरिक्त धन की प्राप्ति हो जाती है।

मूलतः यह आमदनी का एक बड़ा स्रोत रहा है। किसी जमाने में बैंक अपनी एफडी पर 12 फीसदी तक ब्याज देते थे लेकिन अब यह 7 फीसदी से भी नीचे तक गिर चुका है। महंगाई तथा जीवन स्तर के बढने से यह राशि इतनी कम हो गई है कि काम नहीं चलता है। सीनियर सिटीजन और उस तरह के अन्य लोग शेयर बाजारों से दूर रहना चाहते हैं क्योंकि वहां की उठापटक उन्हें सूट नहीं करती। वहां कोई निश्चित कमाई नहीं है और न ही कोई गारंटी। डिबेंचरों और बांडों में भी कोई मजेदार स्थिति नहीं है। तो फिर क्या हो सकता है? आइये देखते हैं एक बड़ा विकल्प जो वर्षों से मौजूद है, लेकिन बहुत ही कम लोग उस ओर देखते हैं। हम यहां बात करेंगे पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाओं की, जहां कम आय के करोड़ों लोगों ने निवेश कर रखा है। उसकी सबसे सफल स्कीम पीपीएफ में करोड़ों लोगों ने निवेश किया है। यह स्कीम तो भारत में बचत योजनाओं में सिरमौर है और इसमें हर व्यक्ति निवेश करता है। इसका कारण यह है कि इसमें अच्छा ब्याज दर तो है ही, इसमें डेढ़ लाख रुपए तक निवेश करने पर टैक्स में छूट तो मिलती ही है, पैसे निकालने पर भी एक सीमा तक टैक्स माफ है। लेकिन यहां हम बता दें कि पोस्ट ऑफिस की कई अन्य योजनाएं भी काफी अच्छा रिटर्न देती हैं। उनमें पैसा लगाना हर हालत में फायदे का सौदा है। अब यह बैंकों के जरिये भी

होने लगा है। डाकघर की एक और बेहतरीन स्कीम है पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट स्कीम यानी एनएससी। इस योजना में 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

अगर आप इस योजना में 5 लाख रुपए निवेश करते हैं, तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 724517 रुपए मिलेंगे। ऐसे में आपको 2.24 लाख रुपए तक का मुनाफा होगा। आरडी यानी आवर्ती जमा। यह एक ऐसी योजना है जिसमें आप निश्चित अवधि के लिए हर महीने एक निश्चित राशि जमा करते हैं और ब्याज अर्जित करते हैं। इसमें 6.7 की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। इसमें ब्याज दर कंपाउंड यानी चक्रवृद्धि होती है जो बहुत कम योजनाओं में होती है। पोस्ट ऑफिस आरडी में हर महीने 8400 रुपए निवेश करते हैं, तो आप 5 साल में कुल 504000 रुपए निवेश करेंगे और मैच्योरिटी पर आपको कुल 599474 रुपए मिलेंगे। ऐसे में आपको 95474 रुपए का लाभ होगा। पोस्ट ऑफिस की एक और लाजवाब स्कीम है सीनियर सिटीजन सेविंग्स। अगर आप सीनियर सिटीजन हैं, तो आप पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में आपकी 8.2 प्रतिशत की ब्याज से कमाई होगी। 5 साल के लिए 5 लाख रुपए निवेश करने पर आपको मैच्योरिटी पर कुल 705000 रुपए मिलेंगे। ऐसे में आपको 2.05 लाख रुपए का मुनाफा होगा। इस स्कीम में पैसै लगाना सबसे उपयुक्त है। बैंकों की ही तरह पोस्ट ऑफिस की एक और स्कीम है। यह है फिक्स्ड डिपॉजिट। इसमें भी अच्छा रिटर्न है। पोस्ट ऑफिस एफडी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। पोस्ट ऑफिस की 5 साल की अवधि वाली एफडी में 7.5 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 5 लाख रुपए निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 724974 रुपए मिलेंगे। ऐसे में आपको 2.24 लाख रुपए तक का मुनाफा होगा।

इसके अलावा भी पोस्ट ऑफिस में कई और स्कीम हैं जिन पर ध्यान दिया जा सकता है। इसमें एक है सुकन्या समृद्धि स्कीम। यह लड़कियों के लिए खास तौर से बनाई गई है और यह उनके भविष्य को ध्यान में रखती है। यह निश्चित आय वाले निवेशों में सबसे ऊपर है। यह योजना 10 साल से कम उम्र की लड़कियों के लिए है और इसमें न्यूनतम 250 रुपए जमा किए जा सकते हैं और अधिकतम 1.5 लाख रुपए प्रति वर्ष जमा किए जा सकते हैं। इस योजना में ब्याज दर 8.2 फीसदी प्रति वर्ष है। यह भी कंपाउंडिग इंटरेस्ट दर है। यह लड़कियों की शिक्षा और उनके विवाह को ध्यान में रखकर बनाई गई है। पोस्ट ऑफिस की एक ऐसी भी योजना है जो आपके पैसे को बहुत जल्दी डबल कर सकती है। यह है किसान विकास पत्र योजना जो आपके पैसे को दोगुना करने वाली पोस्ट ऑफिस की योजना है। यह अच्छे रिटर्न की गारंटी भी देती है। इस योजना के अनुसार, आपका पैसा 115 महीने यानी 9 साल और 7 महीने की अवधि में दोगुना हो जाता है। ये सारी योजनाएं किसी भी पोस्ट ऑफिस में उपलब्ध हैं। अब इनका कंप्यूटरीकरण हो गया है, इसलिए माथापच्ची नहीं होती है। सभी पोस्ट ऑफिस एक-दूसरे से जुड़ गए हैं, इसलिए पैसे आप किसी भी पोस्ट ऑफिस में जमा कर सकते हैं। अब बैंकों की चमक-दमक से दूर पोस्ट ऑफिस की शरण में जाइये और उसकी कुछ योजनाओं का लाभ उठाइये। अब पोस्ट ऑफिस भी कंप्यूटराइज्ड हो गए हैं।

-मधुरेंद्र सिन्हा
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

आषाढ़ माह कृष्ण पक्ष त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
थोड़ी सी, बिल्कुल क्लियर नहीं रहेगी, अवसादित रहेगी। या आप कह सकते हैं थोड़ी सी असमंजस की स्थिति बनी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी में नुकसान हो सकता है या नहीं हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक स्थिति मध्यम रहेगी। नाक, कान, गला की बड़ी परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा। मानसिक स्थिति थोड़ी सी गड़बड़ रहेगी। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सिर दर्द, नेत्र पीड़ा, कर्ज की स्थिति। खर्च की अधिकता। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन थोड़ा सा ससंकित रहेगा। डर बना रहेगा। प्रेम, संतान भी मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी से बचें। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। गुदा से संबंधित कुछ बड़ी परेशानी हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। शत्रु पर दबदबा कायम रहेगा। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दादरी में योग करते भाजपा विधायक तेजपाल सिंह नागर।

योग दिवस के अवसर पर कृषि उत्पादन मंडी समिति फेज-2 में आयोजित योगा कार्यक्रम में योग करते समिति के अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

जेपी अमन में निःशुल्क योग कक्षा का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। जेपी अमन सोसाइटी में पिछले पांच वर्षों से नियमित रूप से चल रही निःशुल्क योग कक्षा योग दिवस पर विशेष उत्साह का केंद्र बनी रही। इस आयोजन में 700 से अधिक लोगों ने भाग लेते हुए यह संकल्प लिया कि वे अब प्रतिदिन योग करेंगे।

यह योग कक्षा समाजसेवी कैलाश शर्मा के नेतृत्व में प्रतिदिन बिना किसी शुल्क के आयोजित की जाती है। इन कक्षाओं में वरिष्ठ नागरिकों से लेकर महिलाएं और बच्चे तक सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। निरंतर अभ्यास और अनुशासित दिनचर्या के चलते योग अब सोसाइटी की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है।

सोसाइटी के अध्यक्ष योगेश सिंह समेत एओए के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने नियमित योग के लाभों पर प्रकाश डालते हुए इसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया।

समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले इस प्रयास की सराहना की जा रही है, और इसे अन्य हाउसिंग सोसाइटीज के लिए भी प्रेरणा स्रोत माना जा रहा है।

सम्मानित किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा संगठन ने दादरी तहसील में राशन सप्लाई इंस्पेक्टर द्वारा उत्कर्ष कार्य करने पर सम्मानित किया। स्वागत के दौरान सुरेश प्रधान तहसील संयोजक मनोज भाटी पाली एनसीआर अध्यक्ष जयंती प्रसाद जी तहसील संरक्षक अनिल आधना, विपिन जी आदि मौजूद थे।

अग्रसेन भवन में संपन्न हुई योग की पाठशाला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति, ग्रेटर नोएडा द्वारा 21 जून अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अग्रसेन भवन, स्वर्ण नगरी में योग की पाठशाला आयोजित की गयी। जिसमें आचार्य कर्मवीर जी द्वारा दैनिक करने वाले योगा कराये व सिखाये गये।

आचार्य जी ने बताया कि योगा करने से शरीर स्वस्थ व स्वास्थ्य उत्तम रहता है। हममें से अधिकतर लोग नियमित योगा करते है परंतु जो साथी प्रतिदिन योगा नहीं करते वो आज अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नियमित योगा करना का संकल्प लें। उन्होंने बताया कि यदि हम प्रतिदिन कम से कम 30 मिनिट की वॉक तथा 30 मिनिट एक्सरसाइज व योगा करते है तो हम अपने आपको स्वस्थ व ऊर्जावान बनाये रखते हैं।

योग शिविर में सौरभ बंसल, नवीन जिंदल, मनोज गुप्ता, पवन गोयल, पुष्पेंद्र गोयल, राजेश गुप्ता, आशीष गुप्ता, अरुण गुप्ता, अशोक अग्रवाल, सत्यप्रकाश अग्रवाल, ऋषि गोयल, अतुल जिंदल, विनोद गुप्ता, अंकुर गर्ग, महिपाल गर्ग सहित महिलाओं ने भी भाग लिया।

महापंचायत आज

नोएडा (चेतना मंच)। बीएचईएल कम्पनी सेक्टर-16ए, नोएडा फिल्म सिटी पर कर्मचारियों का धरना जारी, कर्मचारियों के आंदोलन के समर्थन में सीटू ने आज दोपहर 3:00 बजे मजदूर किसान महापंचायत आयोजित की है।

भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर : रवि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रवि पंडित ने केंद्र सरकार के 11 साल पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई दिशा में ले जाने का जो काम किया है। वह स्वागत के योग्य है और आज 11 साल बेमिसाल को लेकर पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव एवं क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित कर सरकार के उपलब्धियां को जनता तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर सम्मान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाकर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उपकरणों के निर्माण से देश की सीमाएं पहले से अधिक सुरक्षित हुई है।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 की समाप्ति राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसी योजनाओं के माध्यम से देश सांस्कृतिक बुनियादी विकास से आगे बढ़ा है, एयरपोर्ट स्कूल कॉलेज विश्वविद्यालय अस्पताल और नए उद्योगों का तेजी से निर्माण हुआ है। उन्होंने मोदी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि आज हम सभी मिलकर भारत को विकसित भारत बनाने की ओर अग्रसर हैं।

प्रशासन द्वारा बंद करने के बावजूद भी शाहदरा में चल रहा है अवैध वाटर प्लांट

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-142 इससे शाहदरा गांव में भूगर्भ जल विभाग द्वारा अवैध रूप से चल रहे बोरिंग तथा वाटर प्लांट को बंद करने के बावजूद भी अब खुलेआम अवैध वाटर प्लांट का संचालन किया जा रहा है।

मालूम हो कि शाहदरा गांव में राजेंद्र पुत्र छत्तर आदि द्वारा अवैध रूप से डीप बोरिंग करके अवैध वाटर प्लांट चलाया जा रहा है। शासन में इसकी शिकायत करने पर भूगर्भ जल विभाग के अधिकारियों ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया था अवैध रूप से बोरिंग एवं वाटर प्लांट चलते हुए पाया गया। जिस पर उसको बंद कर दिया गया। अब फिर उक्त लोग अवैध रूप से वाटर प्लांट चला रहे हैं। डीप बोरिंग करने की वजह से भूगर्भ जल स्तर गिर रहा है जिससे आसपास के लोगों ने इसकी फिर शिकायत की है।

शिकायतकर्ता भाजपा नेता नवीन भाटी को राजेन्द्र ने जान से मारने की धमकी भी दी जिस पर राजेन्द्र के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया है। बताया जाता है कि उक्त राजेन्द्र नामक व्यक्ति दबंग किस्म का व्यक्ति बताया गया है।

पृष्ठ एक के शेष....

जालसाजी कर...

व्हाट्सएप पर आधार कार्ड व पैन कार्ड के फोटो मंगवा लिए। कुछ समय उक्त भूमि दोनों भाइयों के नाम दर्ज हो गई।

रविंद्र सिंह के मुताबिक वर्ष-2023 में उनके भाई श्यामवीर सिंह ने अपने हिस्से की भूमि का बैनामा प्रीतम सिंह के माध्यम से सेक्टर-27 नोएडा निवासी अवधेश कुमार चौरसिया के नाम कर दिया। रविंद्र सिंह के मुताबिक उसने अपनी जमीन बेचने से मना कर दिया था। प्रीतम सिंह व अवधेश कुमार चौरसिया ने अपने अज्ञात साथियों के साथ षड्यंत्र के तहत उसकी भूमि के कूट रचित दस्तावेज तैयारकर 4 जुलाई 2023 को फर्जी तरीके से उसकी आईडी का दुरुपयोग करके किसी अज्ञात व्यक्ति के नाम बैनामा करा लिया। उसे जब इस बात की जानकारी हुई तो एक चेक द्वारा 717000 के भुगतान को दर्शाया गया है। रविंद्र सिंह ने इस मामले में अवधेश कुमार चौरसिया, सुरेंद्र सिंह चौहान, अनिल कुमार और प्रीतम तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ षड्यंत्र के तहत कूट रचित दस्तावेज तैयार कर भूमि का फर्जी बैनामा करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़ित ने इस मामले की शिकायत गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह से की थी। जांच के उपरांत आरोपियों के खिलाफ थाना दादरी में मामला दर्ज किया गया है।

अवैध बिल्डिंगों में ...

इसके बाद भी शोरूमवाले मकान खाली नहीं कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने शोरूम खाली नहीं किया है। अब इन शोरूम के ऑफिस में अधिकारिक बेवसाइट के जरिए अनुस्मरण नोटिस भेजे गए हैं। जिसमें कहा गया है कि इन मकानों में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जाएगा तथा उनको सील किया जाएगा।

बता दें कि प्राधिकरण ने एक दर्जन शोरूम के अलावा 150 आवासीय अवैध भवनों को नोटिस जारी किए हैं। जिसमें कई आवासीय भवन हैं। जहां पर शीघ्र ही अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समाजवादी पार्टी ने तीन...

बढ़ावा देने के साथ-साथ किसान विरोधी, महिला विरोधी, युवा विरोधी और व्यापार विरोधी नीतियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है।

समाजवादी पार्टी के हैंडल से पोस्ट किए गए बयान में लिखा गया, 'समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता व किसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और 'पीडीए विरोधी' विचारधारा का साथ देने के कारण, समाजवादी पार्टी जनहित में इन विधायकों को पार्टी से निष्कासित करती है।'

पार्टी ने आगे कहा कि इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी 'अनुग्रह-अवधि' की समय-सीमा अब पूर्ण हुई, शेष की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है. भविष्य में भी 'जन-विरोधी' लोगों के लिए पार्टी में कोई स्थान नहीं होगा और पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियाँ सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी।

समाजवादी पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह अपनी मूल विचारधारा और सिद्धांतों के खिलाफ किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी ने यह भी कहा है कि वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किसी भी सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी. निष्कासित विधायकों को सुधरने का मौका दिया गया था, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे।

आपातकाल के लोकतंत्र विरोधी...

बरेली जिलों में एक साथ आयोजित होगा। भाजयुमो के नोएडा मीडिया प्रभारी अर्पित मिश्रा ने बताया कि 27 जून को भाजयुमो के नोएडा महानगर अध्यक्ष रामनिवास यादव व सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता गाजियाबाद में शामिल होंगे।

पुलिस को देख रेत...

ई-चालान एप पर जब ट्रैक्टर ट्रॉली का नंबर डालकर चेक किया गया तो पता चला कि वह रजत पुत्र मलूक राज निवासी अमीपुर जनपद फरीदाबाद हरियाणा के नाम पर पंजीकृत है। ट्रैक्टर ट्राली को मुल्क राज चला रहा था। पुलिस टीम ने ट्रैक्टर ट्राली को नियम अनुसार जप्त कर लिया है और आरोपी के खिलाफ खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

प्राधिकरण की जमीन...

इसी थाना क्षेत्र में नोएडा प्राधिकरण द्वारा अवैध इमारत पर लगाई गई सील को तोड़ने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। नोएडा प्राधिकरण के भूलेख विभाग के लेखपाल सीमा यादव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा अवैध रूप से वाजिदपुर गांव में बनाई जा रही इमारत को सील कर दिया गया था। सेक्टर-108 निवासी संजय सिंह चौहान व अशोक विहार दिल्ली निवासी सुनील कुमार भड़ाना ने इमारत पर लगी सील को तोड़ दिया। प्राधिकरण द्वारा लगाई गई सील तोड़ने के आरोप में दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

गाजियाबाद में चेन लूटकर ...

की नीयत से फायर किया। पुलिस की ने जवाबी कार्यवाही में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया। गिरफ्तार बदमाश ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी आकाश अवस्थी पुत्र राजीव अवस्थी नि0 डी 81 ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली उम्र करीब 29 वर्ष के साथ मिलकर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में जगह - जगह मोटर साइकिल/स्कूटी बदल-बदल कर चैन चोरी/लूट/ वाहन चोरी की घटना करते हैं। बदमाश प्रज्जवल ठाकुर उर्फ प्रिंस उर्फ पीयूष उर्फ पूसी और आकाश अवस्थी ने मिलकर 7 जून को रामप्रस्था गेट नं0 01 के सामने से एक व्यक्ति से चेन चोरी की थी, 12 जून को सेक्टर 04 वैशाली, एक्सिस बैंक के सामने भटूरे वाले के पास से एक महिला से चैन चोरी की थी तथा 16 जून को सेक्टर 05 वैशाली, सब्जी मण्डी में एक महिला से चैन चोरी की थी, जिसमें से 12 जून की चोरी की हुयी चैन अभियुक्त प्रज्जवल ठाकुर उर्फ प्रिंस उर्फ पीयूष उर्फ पूसी की निशांदेही पर एलीवेटेड रोड के नीचे कच्चे रास्ते पर झाड़ियों से बरामद की गयी।

तमंचे के साथ...

पूछताछ के दौरान मुस्तकीम ने बताया कि वह तमंचे के बल पर सुनसान स्थान पर राहगीरों से लूट व छीनेती की घटनाओं को अंजाम देता है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

घटिया निर्माण सामग्री...

मारपीट के दौरान उनका बेटा सर में चोट लगने के कारण मौके पर ही बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद आरोपी गाली गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

उत्तर प्रदेश में 127 पीसीएस अफसर के तबादले की पूरी लिस्ट

क्र0सं0	नाम (सर्व श्री/सुश्री/श्रीमती)	वर्तमान तैनाती जनपद	नवीन तैनाती का जनपद
1	कडेदीन	उपजिलाधिकारी, बाराबंकी	उपजिलाधिकारी, हमीरपुर
2	सौरभ कुमार पाण्डैय	उपजिलाधिकारी, जालौन	उपजिलाधिकारी, सम्भल
3	अनवर रशीद फारूकी	उपजिलाधिकारी, बलिया	उपजिलाधिकारी, एटा
4	सुरेन्द्र नारायण त्रिपाठी	उपजिलाधिकारी, आजमगढ	उपजिलाधिकारी, कासगंज
5	राजेश कुमार सिंह	उपजिलाधिकारी, सोनभद्र	उपजिलाधिकारी, बदायूँ
6	संजय चावला	विशेष कार्याधिकारी, यूपीडा	उपजिलाधिकारी, आजमगढ
7	विनोद जोशी	उपजिलाधिकारी, कासगंज	उपजिलाधिकारी, गाजीपुर
8	राजेश कुमार	उपजिलाधिकारी, जौनपुर	उपजिलाधिकारी, कन्नौज
9	अनिल कुमार कटियार	उपजिलाधिकारी, अलीगढ	विशेष कार्याधिकारी, राजा टोडरमल सर्वे एवं भूलेख प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई
10	संजय कुमार यादव	विशेष कार्याधिकारी, यूपीडा	उपजिलाधिकारी, ललितपुर
11	विजय कुमार मिश्रा	उपजिलाधिकारी, बदायूँ	उपजिलाधिकारी, कन्नौज
12	ऋषिकान्त राजवंशी	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत	उपजिलाधिकारी, बलिया
13	रमेश बाबू	उपजिलाधिकारी, सम्भल	उपजिलाधिकारी, मऊ
14	राजेश कुमार	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर	उपजिलाधिकारी, अम्बेडकर नगर
15	विजय सिंह	विशेष कार्याधिकारी, राजा टोडरमल सर्वे एवं भूलेख प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई	उपजिलाधिकारी, बरेली
16	दिनेश चन्द्र	विशेष कार्याधिकारी, यूपीडा	उपजिलाधिकारी, बुलन्दशहर
17	यादव भूमिका राज बहादुर	उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात	उपजिलाधिकारी, हरदोई
18	राजेन्द्र बहादुर	उपजिलाधिकारी, बलरामपुर	उपजिलाधिकारी, इटावा
19	राजेश चन्द्र	उपजिलाधिकारी, बरेली	उपजिलाधिकारी, गाजीपुर
20	देश दीपक सिंह	उपजिलाधिकारी, प्रतापगढ	उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात
21	कौशल कुमार	उपजिलाधिकारी, इटावा	उपजिलाधिकारी, अयोध्या
22	कुमार चन्द्र बाबू	उपजिलाधिकारी, सीतापुर	उपजिलाधिकारी, बदायूँ
23	बिन्दु लता	सहायक निदेशक, उ0प्र0 प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी, लखनऊ	उपजिलाधिकारी, जौनपुर
24	देवेन्द्र कुमार पाण्डेय	उपजिलाधिकारी, इटावा	उपजिलाधिकारी, बलिया
25	विनय कुमार मिश्र	उपजिलाधिकारी, सम्भल	उपजिलाधिकारी, चन्दौली
26	संजय मिश्रा	उपजिलाधिकारी, अलीगढ	उपजिलाधिकारी, अम्बेडकर नगर
27	वेद प्रिय आर्य	उपजिलाधिकारी, एटा	उपजिलाधिकारी, जालौन
28	राजेश कुमार	उपजिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी	उपजिलाधिकारी, सिद्धार्थ नगर
29	जितेन्द्र कटियार	उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात	उपजिलाधिकारी, प्रतापगढ
30	निखिलेश कुमार मिश्रा	विशेष कार्याधिकारी, काशी विशिष्ट क्षेत्र परिषद, वाराणसी	उपजिलाधिकारी, लखमीपुर खीरी
31	संगीता राघव	उपजिलाधिकारी, सहारनपुर	विशेष कार्याधिकारी, लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ
32	व्यास नारायण	उपजिलाधिकारी, कुशीनगर	उपजिलाधिकारी, बलिया
33	अशोक कुमार	उपजिलाधिकारी, कन्नौज	उपजिलाधिकारी, आजमगढ
34	जितेन्द्र कुमार	उपजिलाधिकारी, महोबा	उपजिलाधिकारी, महराजगंज
35	श्वेता	उपजिलाधिकारी, मथुरा	सहायक निदेशक, उ0प्र0 प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी, लखनऊ
36	आशुतोष कुमार-I	उपजिलाधिकारी, गाजीपुर	उपजिलाधिकारी, रामपुर
37	राहुल देव भट्ट	उपजिलाधिकारी, कौशाम्बी	उपजिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर
38	अजय कुमार उपाध्याय	उपजिलाधिकारी, बरेली	उपजिलाधिकारी, जौनपुर
39	प्रवर्धन शर्मा	उपजिलाधिकारी, बदायूँ	विशेष कार्याधिकारी, लखनऊ मेट्रो लखनऊ
40	रामानुज	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर	उपजिलाधिकारी, सम्भल
41	आत्रेय मिश्र	उपजिलाधिकारी, बलिया	सहायक निदेशक, राज्य सम्पत्ति निदेशालय, लखनऊ
42	शिवध्यान पाण्डेय	उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद	उपजिलाधिकारी, महोबा
43	प्रभाकर त्रिपाठी	उपजिलाधिकारी, फतेहपुर	उपजिलाधिकारी, मेरठ
44	लाल सिंह यादव	उपजिलाधिकारी, बांदा	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत
45	राकेश कुमार मौर्य	उपजिलाधिकारी, बहराइच	उपजिलाधिकारी, बुलन्दशहर
46	मलखान सिंह	उपजिलाधिकारी, इटावा	उपजिलाधिकारी, गोरखपुर
47	अजय आनन्द वर्मा	विशेष कार्याधिकारी, लखनऊ मेट्रो, लखनऊ	उपजिलाधिकारी, औरैया
48	नहने राम	उपजिलाधिकारी, बरेली	उपजिलाधिकारी, हरदोई
49	गजेन्द्र सिंह	उपजिलाधिकारी, बुलन्दशहर	उपजिलाधिकारी, अयोध्या
50	विजय कुमार त्रिवेदी	उपजिलाधिकारी, बाराबंकी	उपजिलाधिकारी, चन्दौली
51	उमाकान्त तिवारी	उपजिलाधिकारी, कन्नौज	उपजिलाधिकारी, बस्ती
52	प्रीति जैन	उपजिलाधिकारी, मथुरा	उपजिलाधिकारी, सुलतानपुर
53	राकेश सिंह	उपजिलाधिकारी, हरदोई	उपजिलाधिकारी, इटावा
54	नीलम श्रीवास्तव	उपजिलाधिकारी, मथुरा	विशेष कार्याधिकारी, बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली
55	शिल्पा ऐरन	उपजिलाधिकारी, बरेली	उपजिलाधिकारी, जौनपुर
56	अर्चना ओझा	उपजिलाधिकारी, जौनपुर	उपजिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी
57	पवन कुमार जायसवाल	उपजिलाधिकारी, अम्बेडकर नगर	उपजिलाधिकारी, लखनऊ
58	हेमन्त कुमार चौधरी	उपजिलाधिकारी, मऊ	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत
59	आशुतोष गुप्ता	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत	उपजिलाधिकारी, गौतमबुद्ध नगर
60	पवन प्रकाश पाठक	उपजिलाधिकारी, हमीरपुर	विशेष कार्याधिकारी, काशी विशिष्ट क्षेत्र परिषद, वाराणसी
61	प्रदीप कुमार यादव	उपजिलाधिकारी, सिद्धार्थ नगर	उपजिलाधिकारी, सोनभद्र
62	रोहित कुमार मौर्य	उपजिलाधिकारी, गोरखपुर	उपजिलाधिकारी, इटावा
63	अनामिका श्रीवास्तव	उपजिलाधिकारी, अयोध्या	उपजिलाधिकारी, फतेहपुर
64	श्रद्धा सिंह	उपजिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत
65	रश्मि लांबा	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर	उपजिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर
66	निखिल चक्रवर्ती	उपजिलाधिकारी, गाजियाबाद	उपजिलाधिकारी, सिद्धार्थ नगर
67	राकेश कुमार सोनी	उपजिलाधिकारी, रामपुर	उपजिलाधिकारी, जालौन
68	सुनील कुमार-I	उपजिलाधिकारी, रामपुर	उपजिलाधिकारी, झांसी
69	राजेश कुमार शुक्ला	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत	उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद
70	प्रियंका चौधरी	उपजिलाधिकारी, सिद्धार्थ नगर	उपजिलाधिकारी, शाहजहाँपुर
71	नरायन सिंह	उपजिलाधिकारी, हरदोई	उपजिलाधिकारी, अलीगढ
72	शैलेन्द्र चौधरी	उपजिलाधिकारी, बलिया	उपजिलाधिकारी, ललितपुर
73	विदुषी सिंह	उपजिलाधिकारी, सुलतानपुर	उपजिलाधिकारी, बरेली
74	गौतम सिंह	विशेष कार्याधिकारी, बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली	उपजिलाधिकारी, रायबरेली
75	आलोक कुमार	उपजिलाधिकारी, चन्दौली	उपजिलाधिकारी, बरेली
76	दुर्गेश यादव	उपजिलाधिकारी, शाहजहाँपुर	उपजिलाधिकारी, फतेहपुर
77	मुकेश कुमार सिंह	उपजिलाधिकारी, महराजगंज	विशेष कार्याधिकारी, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर
78	जितेन्द्र गौतम	विशेष कार्याधिकारी, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	उपजिलाधिकारी, गोण्डा
79	चन्द्रभूषण प्रताप	उपजिलाधिकारी, ललितपुर	उपजिलाधिकारी, मथुरा
80	मनोज कुमार सरोज	उपजिलाधिकारी, झांसी	उपजिलाधिकारी, बलरामपुर
81	रामानुज शुक्ला	उपजिलाधिकारी, आजमगढ	उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद
82	अवनीश कुमार-I	उपजिलाधिकारी, रामपुर	उपजिलाधिकारी, सीतापुर
83	देवेन्द्र सिंह	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत	उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात
84	राज कुमार चौधरी	उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात	उपजिलाधिकारी, मथुरा
85	आनन्द कुमार कन्नौजिया	उपजिलाधिकारी, मऊ	उपजिलाधिकारी, रामपुर
86	अवनीश कुमार-II	उपजिलाधिकारी, बिजनौर	उपजिलाधिकारी, बांदा
87	राज कुमार पाण्डेय	उपजिलाधिकारी, अयोध्या	उपजिलाधिकारी, कानपुर देहात
88	विवेकानन्द मिश्रा	उपजिलाधिकारी, गौतमबुद्ध नगर	उपजिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर
89	सर्वेश कुमार सिंह गौर	उपजिलाधिकारी, फतेहपुर	उपजिलाधिकारी, कुशीनगर
90	राघवेन्द्र शर्मा	उपजिलाधिकारी, ललितपुर	उपजिलाधिकारी, मथुरा
91	मनीष कुमार	उपजिलाधिकारी, सीतापुर	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर
92	राज कुमार भाष्कर	उपजिलाधिकारी, मथुरा	उपजिलाधिकारी, रामपुर
93	संजीव कुमार दीक्षित	उपजिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर
94	सत्य प्रकाश सिंह	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर	उपजिलाधिकारी, मेरठ
95	पवन कुमार सिंह	उपजिलाधिकारी, जौनपुर	उपजिलाधिकारी, पीलीभीत
96	राजीव मोहन सक्सेना	उपजिलाधिकारी, गोण्डा	उपजिलाधिकारी, बरेली
97	शशिभूषण पाठक	विशेष कार्याधिकारी, लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ	उपजिलाधिकारी, अमरोहा
98	विराग पाण्डेय	उपजिलाधिकारी, चन्दौली	उपजिलाधिकारी, गाजियाबाद
99	संजय सिंह-II	उपजिलाधिकारी, मुजफ्फर नगर	उपजिलाधिकारी, मथुरा
100	अवधेश कुमार	उपजिलाधिकारी, बलरामपुर	उपजिलाधिकारी, सम्भल
101	अमिता यादव	उपजिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी	उपजिलाधिकारी, बहराइच
102	सुशील कुमार सिंह	उपजिलाधिकारी, जालौन	उपजिलाधिकारी, मथुरा
103	सत्येन्द्र सिंह	उपजिलाधिकारी, बस्ती	उपजिलाधिकारी, रायबरेली
104	भगत सिंह	उपजिलाधिकारी, अमरोहा	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर
105	सुभाष चन्द्र-II	उपजिलाधिकारी, अलीगढ	उपजिलाधिकारी, सीतापुर
106	हरिश्चन्द्र	उपजिलाधिकारी, औरैया	उपजिलाधिकारी, अलीगढ
107	संतोष कुमार-II	उपजिलाधिकारी, बुलन्दशहर	उपजिलाधिकारी, अयोध्या
108	अजीत कुमार	उपजिलाधिकारी, मथुरा	उपजिलाधिकारी, मीरजापुर
109	अभिषेक कुमार	उपजिलाधिकारी, गाजीपुर	उपजिलाधिकारी, हमीरपुर
110	प्रवीण कुमार-II	उपजिलाधिकारी, हापुड	उपजिलाधिकारी, देवरिया
111	पुष्पेन्द्र कुमार	उपजिलाधिकारी, फिरोजाबाद	उपजिलाधिकारी, कानपुर नगर
112	शशिबिन्द कुमार द्विवेदी	उपजिलाधिकारी, सीतापुर	उपजिलाधिकारी, बस्ती
113	विनोद कुमार गुप्ता	उपजिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी	उपजिलाधिकारी, कुशीनगर
114	प्रवीण कुमार-III	उपजिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर	उपजिलाधिकारी, अयोध्या
115	दीपक कुमार चौधरी	उपजिलाधिकारी, सम्भल	उपजिलाधिकारी, आगरा
116	श्रद्धा चौधरी	सहायक निदेशक, अल्प संख्यक कल्याण निदेशालय, लखनऊ	उपजिलाधिकारी, वाराणसी
117	संतोष कुमार सिंह	सहायक निदेशक, राज्य सम्पत्ति निदेशालय, लखनऊ	उपजिलाधिकारी, मेरठ
118	नवीन कुमार	उपजिलाधिकारी, बुलन्दशहर	उपजिलाधिकारी, जौनपुर
119	नितिन कुमार	उपजिलाधिकारी, मैनपुरी	उपजिलाधिकारी, बिजनौर
120	प्रतीक्षा त्रिपाठी	उपजिलाधिकारी, महराजगंज	उपजिलाधिकारी, लखीमपुर खीरी
121	अनिल कुमार सरोज	सहायक निदेशक, खेल निदेशालय (मुख्यमंत्री कार्यालय से सम्बद्ध), लखनऊ	उपजिलाधिकारी, बाराबंकी
122	रश्मि लता	उपजिलाधिकारी, रायबरेली	उपजिलाधिकारी, अलीगढ
123	रेनू	उपजिलाधिकारी, अम्बेडकर नगर	उपजिलाधिकारी, हापुड
124	शक्ति प्रताप सिंह	उपजिलाधिकारी, मीरजापुर	विशेष कार्याधिकारी, यूपीडा
125	सत्य प्रकाश	उपजिलाधिकारी, बांदा	उपजिलाधिकारी, मऊ
126	अविनाश त्रिपाठी	उपजिलाधिकारी, बागपत	सहायक निदेशक, अल्प संख्यक कल्याण निदेशालय, लखनऊ
127	अनामिका मौर्या	उपजिलाधिकारी, ललितपुर	उपजिलाधिकारी, लखनऊ

1 जुलाई से स्कूलों में ऑनलाइन होगी हाजिरी

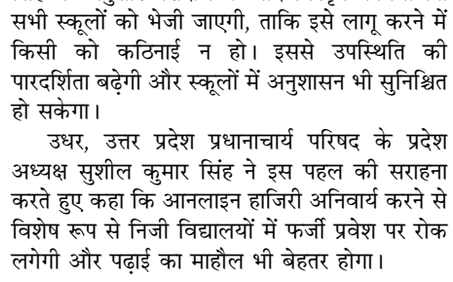

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) से मान्यता प्राप्त स्कूलों में एक जुलाई से आनलाइन हाजिरी की व्यवस्था करने की तैयारी है। विशेष रूप से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी स्कूलों में अब शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति आनलाइन दर्ज करनी होगी।

अभी तक यह व्यवस्था बाध्यकारी नहीं थी, जिससे कई विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लेने के बावजूद स्कूल न आने की शिकायतें मिलती थीं। अब इस नई व्यवस्था से गैरहाजिर विद्यार्थियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। इसके लिए कार्यदायी संस्था का चयन कर लिया गया है। 23 जून को यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज में इसका प्रजेंटेशन होगा, जिसमें आनलाइन हाजिरी दर्ज करने की प्रक्रिया विस्तार से बताई जाएगी।

आनलाइन हाजिरी से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और विद्यार्थियों की नियमितता बढ़ेगी। फर्जी प्रवेश और घोस्ट स्टूडेंट की समस्या रुकेगी। सरकार को वास्तविक नामांकन और उपस्थिति का सटीक आंकड़ा मिलेगा, जिससे योजनाएं बेहतर तरीके से बन सकेंगी। शिक्षकों और कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय होगी।

साथ ही, निजी स्कूलों में अनियमितताओं पर नियंत्रण आसान हो जाएगा। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह के अनुसार परीक्षण के बाद विस्तृत कार्ययोजना सभी स्कूलों को भेजी जाएगी, ताकि इसे लागू करने में किसी को कठिनाई न हो। इससे उपस्थिति की पारदर्शिता बढ़ेगी और स्कूलों में अनुशासन भी सुनिश्चित हो सकेगा।

उधर, उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आनलाइन हाजिरी अनिवार्य करने से विशेष रूप से निजी विद्यालयों में फर्जी प्रवेश पर रोक लगेगी और पढ़ाई का माहौल भी बेहतर होगा।

खास खबर

एक युवक की पीट-पीटकर हत्या

बागपत। यूपी के बागपत में ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक सहारनपुर-दिल्ली ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। 15 से 20 लोगों ने लात-घूंसों और बेल्ट से उसकी जमकर पिटाई कर दी। बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी। घायल युवक को ट्रेन से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने बताया कि दीपक दिल्ली में नौकरी करता था और हर शुक्रवार दिल्ली से बागपत अपने घर आता था। घटना शुक्रवार की है, लेकिन इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है।

सुखबीर-मजीठिया के बीच प्रापर्टी विवाद

चंडीगढ़। शिअद नेता मेरी सेहत के बजाय अपने जीजा सुखबीर बादल की चिंता करें जो बार-बार गिर पड़ते हैं। चंडीगढ़ में युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के कार्यक्रम के दौरान पंजाब के सीएम भगवंत मान ने यह बात कही। सीएम मान ने कहा कि सुखबीर बादल और बिक्रम मजीठिया के बीच नहीं बनती क्योंकि दोनों का प्रापर्टी को लेकर विवाद है। मान ने दावा किया कि हरसिमरत कौर बादल और मजीठिया भी एक दूसरे से दूरी बना चुके हैं। सीएम ने कहा कि पैसा बहुत बुरी चीज है। मैंने कभी यह बातें नहीं बताई, लेकिन अब बता रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेरे साथ पंगे लेते हैं क्या कलाकार होना बुरी बात है।

नेपाल के रास्ते भारतीयों की अवैध विदेश यात्रा

काठमांडू । काठमांडू के इमिग्रेशन विभाग ने नेपाल से विदेश जाने वाले भारतीयों के ऊपर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। पिछले 4 साल में 80000 से ज्यादा भारतीय नागरिक नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से संयुक्त अरब अमीरात, चीन,हॉन्गकोंग और सऊदी अरब जैसे देशों में गए हैं। नेपाल से जो भारतीय नागरिक विदेश गए हैं।उनमें से कई वांछित अपराधी थे। नेपाल के भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हवाई अड्डों पर निगरानी और सख्ती बढ़ा दी गई है।जांच एजेंसी को यह भी शक है। एयरपोर्ट के अधिकारियों की मिली भगत से नेपाल के रास्ते बड़ी मात्रा में भारतीय विदेश जा रहे हैं।

कैंसर जागरुकता को लेकर विशेष आयोजन

कोलकाता। कोलकाता स्थित गैर सरकारी संस्था कंसर्न फॉर कलकत्ता और कलकत्ता सिटीजंस इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वावधान में कैंसर जागरूकता पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। सत्र को संबोधित करते हुए सुभाष सेठी ने कहा कि अगर कोई कैंसर से ठीक होना चाहता है, तो उसे दवा के अलावा परिवार के समर्थन, आत्मविश्वास, ध्यान और कैंसर को जीतने के लिए दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। अन्य वक्ताओं में शामिल डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि कैंसर के बारे में शीघ्र पता चलने से इलाज में सफलता मिलने की अधिक आशा रहती है।

मणिपुर में उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद विरोधी अभियान तेज कर दिए हैं। इस कार्रवाई में एक उग्रवादी की गिरफ्तारी हुई है और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और संचार उपकरण जब्त किए गए हैं।इम्फाल वेस्ट जिले के मायंग इम्फाल थाना मामांग थोंखोंग क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के एक कैडर यांगलेम सदानंद सिंह (26) को गिरफ्तार किया गया। वह मायंग इम्फाल थाना वांगखई लीकाई का निवासी है। उसके पास से बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की बाइक, सिम सहित मोबाइल फोन और 19 केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के डिमांड

लेटर बरामद हुए। गिरफ्तारी के बाद विभिन्न संवेदनशील इलाकों में समन्वित तलाशी अभियान शुरू किया गया। इम्फाल ईस्ट जिले के यैंगांगपोकपी थाना अंतर्गत मायोफुंग-सनासाबी पहाड़ी क्षेत्र से सुरक्षा बलों ने एक बायपॉड माउंटेड .303 रायफल, 7 जिंदा राउंड, दो भारी कैलिबर मोर्टार, 20 मोर्टार बम, दो बर्मी आईईडी, चार बाओफेंग रेडियो सेट, एक पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस, 7.62 मिमी के 20 राउंड, सात नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, तीन ओ रिंग ग्रेनेड, पांच नंबर 8 डब्ल्यूपी ग्रेनेड, दो बुलेटप्रूफ जैकेट (एक प्लेट के साथ), एक हेलमेट, एक पाउच और एक जोड़ी जंगल शू बरामद किए गए। इसी जिले के लामलाई थाना अंतर्गत चिंगखई चिंग फाकनुंग गांव की तलहटी से इंसास एलएमजी व मैगजीन, इंसास राइफल, दो एसएलआर राइफल, स्नाइपर राइफल, .32 पिस्तौल व मैगजीन, अलग-अलग कैलिबर के भारी मात्रा में कारतूस, खाली कारतूस खोल, तीन चार्जर क्लिप, 37 खाली .303 कारतूस, चार टियर स्मोक शेल, एक रबर बुलेट, दो बुलेटप्रूफ जैकेट, चार बुलेटप्रूफ प्लेट और तीन हेलमेट बरामद हुए। काकचिंग जिले के अरोंग नोंगमैखोंग थाना क्षेत्र के नोंगमैखोंग माखा लीकाई हिल रेंज से एक एसएमजी कार्बाइन, एके-47 राइफल, दो सिंगल बैरल बंदूकें, एक संशोधित 9 मिमी पिस्तौल, तीन लगभग 2-2 किग्रा वजनी आईईडी, एक स्कोप लेंस, ट्यूब लॉन्चर, एक एचई ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), छह रबर बुलेट, आठ वायर डेटोनेटर, दस पीईके विस्फोटक पैकेट और विभिन्न प्रकार के जिंदा व खर्च हो चुके कारतूस बरामद किए गए। साथ ही एक स्कूल बैग, एक बोरा और छलावरण वाला बॉडी गियर भी मिला।

मुंबई और चेन्नई में सीबीआई की छापेमारी, चार पर एफआईआर

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने खुलासा किया है कि जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक, निजी व्यक्तियों और संस्थाओं ने 800 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। इस मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार और वित्तीय धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई ने मुंबई और चेन्नई में पांच जगहों पर छापेमारी कर कार्रवाई भी की है। जेएनपीए के तत्कालीन मुख्य प्रबंधक सुनील कुमार मडभवी (पीपी डब्ल्यूडी), टीसीई के परियोजना निदेशक देवदत्त बोस, मेसर्स टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (मुंबई), मेसर्स बोसकलीस्मीट इंडिया (मुंबई) और मेसर्स जान दे नुल ड्रेजिंग (चेन्नई) और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जेएनपीए के तत्कालीन अधिकारियों और दो निजी कंपनियों ने अपराध की साजिश रची थी। इसमें दो कंपनियां भी शामिल थीं। सीबीआई ने इस मामले में जून 2022 में प्रारंभिक जांच शुरू की थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी कंपनियों को न्हावा शेवा में जेएनपीटी में जहाजों के लिए मार्ग की गहराई बढ़ाने का ठेका दिया गया था। इस परियोजना के लिए एक निजी परामर्श कंपनी को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया गया था।

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश, सुवर्णरेखा नदी में आई बाढ़

- मध्यप्रदेश-गुजरात समेत 19 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने रविवार को मध्यप्रदेश, यूवी समेत देश के 19 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, बिहार, बंगाल, झारखंड, कर्नाटक, केरल, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर में यलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में शनिवार शाम से जोरदार बारिश हो रही है। ओडिशा के बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हो गए हैं। नदी का जलस्तर 10.36 मीटर के खतरे के निशान को पार कर गया है। मध्य प्रदेश के चित्रकूट में शुक्रवार रात से

हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं को वहां जाने से रोक दिया गया है। गुना में फतेहगढ़ की कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बह गई, इसमें तीन युवकों की मौत हो गई। राजस्थान के जोधपुर में बरसात के कारण पुलिया पर पानी के बीच कार निकाल रहे एक शख्स की कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से कारोबारी और उनके समधी-समधन की मौत हो गई। सोमवार 23 जून को हिमाचल, उत्तराखंड, यूपी, पूर्वी राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण गोवा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं अकेले मध्य प्रदेश में रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, बिहार, सिक्किम, बंगाल, कर्नाटक और केरल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। 24 जून को गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण गोवा, बिहार, छत्तीसगढ़, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। सिक्किम, बंगाल, पूर्वी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, यूपी, ओडिशा, झारखंड, दिल्ली, चंडीगढ़, विदर्भ, बंगाल, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

घर में लटका मिला बीजेपी नेता का शव

हुगली । पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के गोघाट क्षेत्र में शनिवार को बीजेपी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शेख बकीबुल्ला का शव उनके आवास की दूसरी मंजिल की बालकनी में लटका मिला। इस संबंध में पुलिस ने बताया सूचना पर जब पुलिस टीम मृतक के शव को कब्जे में लेने उनके घर पहुंची तो स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। बकीबुल्ला की पत्नी ने कहा कि रात का खाना खाने के बाद वह अपना फोन देख रहे थे और उन्होंने कहा था कि वह बाद में सो जाएंगे। मुझे नहीं पता कि वह कब बालकनी में चले गए। गोघाट के एक बीजेपी नेता ने कहा कि बकीबुल्ला क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। उन्होंने कहा कि हम यह तय करेंगे कि उन्हें न्याय मिले।

जांच की आड़ में कुख्यात अपराधियों के घर में नहीं घुस सकती पुलिस: हाईकोर्ट

एजेंसी

तिरुवननंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस को जांच की आड़ में संदिग्ध व्यक्तियों और कुख्यात अपराधियों के दरवाजे खटखटाने या रात में उनके घरों में घुसने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने यह फैसला एक व्यक्ति की याचिका पर सुनाया। जिस याचिका में आरोप लगाया गया है कि उस व्यक्ति ने पुलिस अधिकारियों को तब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका, जब पुलिस ने उसे कुख्यात अपराधियों से जुड़ी जांच के दौरान देर रात घर से बाहर आने को कहा था। याचिका स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे संबंधित सभी कार्यवाही को रद्द कर दिया और कहा कि जांच की आड़ में पुलिस कुख्यात अपराधियों के दरवाजे नहीं खटखटा सकती या उनके घरों में जबरन नहीं घुस सकती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को यह समझना चाहिए कि घर की अवधारणा आवास के रूप में अपनी भौतिक अभिव्यक्ति से परे है और भावनात्मक एवं सामाजिक आयामों के एक समृद्ध ताने-बाने को समेटे हुए है। कोर्ट ने कहा कि दूसरे शब्दों कहे कि हर आदमी का घर उसका महल या मंदिर होता है। किसी व्यक्ति के जीवन के अधिकार में गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है और गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता।

पूरा यूक्रेन हमारा, सुमी शहर पर कब्जा कर बनाएंगे बफर जोन: पुतिन

एजेंसी

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि पूरा यूक्रेन हमारा है। इसके अलावा उन्होंने यूक्रेनी शहर सुमी को बफर जोन बनाने के लिए कब्जा करने की चेतावनी दी है। पुतिन ने कहा कि रूसी और यूक्रेनी लोग एक ही हैं और इस लिहाज से पूरा यूक्रेन रूस का है। उन्होंने कहा कि वह यूक्रेन की आजादी पर सवाल नहीं उठा रहे, लेकिन यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले क्षेत्र को छोड़ना होगा। वहीं यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन की इस बात को खारिज कर दिया कि रूसी और यूक्रेनी एक ही हैं। रूस सूमी शहर पर कब्जा कर यूक्रेन को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने कहा कि पुतिन जंग खत्म करना ही नहीं चाहते हैं। रूस अभी यूक्रेन के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुका है, जिसमें क्रीमिया, लुहांस्क क्षेत्र का 99 फीसदी से ज्यादा डोनेट्स्क, जापोरीज्जिया और खेरसॉन क्षेत्रों का 70 फीसदी से ज्यादा और खार्किव, सुमी और दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्रों के कुछ हिस्से शामिल हैं। पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन की सीमा से लगे सूमी क्षेत्र में एक बफर जोन बनाने की बात कही थी। इसका मकसद रूस के बॉर्डर इलाकों को यूक्रेनी ड्रोन और तोपखाने के हमलों से बचाना है।

पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को किया गिरफ्तार

शिलांग। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक और गिरफ्तारी हुई है। शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार रात प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। ये ब्रोकर वही है, जिसने राजा हत्याकांड के आरोपी विशाल को इंदौर के देवास नाका का फ्लैट किराए पर दिया था। सरेंडर से पहले इसी फ्लैट में सोनम ने फरारी काटी थी। सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूत छिपाने, नष्ट करने के मामले में सहआरोपी बनाया है। प्रॉपर्टी ब्रोकर ने फ्लैट के गार्ड के साथ मिलकर उस बैग को गायब किया था, जिसमें पिस्टल और पांच लाख रुपए के साथ राजा के जेवर होने की बात कही थी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय रेलवे ने मनाया उत्सव

- चेनाब, अंजी और पंबन पुलों पर आयोजित किए गए अनोखे योग सत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय रेलवे ने पूरे देश में भव्य और उत्साही योग सत्रों का आयोजन किया। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम के तहत यह उत्सव सभी रेलवे जोनों, मंडलों, स्टेशनों और रेलवे परिसरों में मनाया गया। रेल राज्य मंत्री वी. सोमनन्ने कर्नाटक के हसन में और रवनीत सिंह बिट्टू ने चंडीगढ़ के सुखना झील में आयोजित योग सत्रों में भाग लिया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार ने नई दिल्ली के कर्नैल सिंह स्टेडियम में आयोजित

योग सत्र में भागीदारी की। इस वर्ष की विशेष बात यह रही कि योग सत्र केवल स्टेशनों और कार्यालय परिसरों में ही नहीं बल्कि भारतीय रेलवे की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संरचनाओं पर भी आयोजित किए गए। पहली बार दुनिया के सबसे ऊँचे रेलवे आर्च ब्रिज -जम्मू-कश्मीर में स्थित चेनाब ब्रिज पर योग सत्र आयोजित किया गया, जो भारतीय रेलवे की आत्मविश्वास और इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बना। इसके साथ ही भारत के पहले केबल-स्टे रेल पुल झ अंजी खड ब्रिज और देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट रेल पुल तमिलनाडु के पंबन ब्रिज पर भी योग सत्र आयोजित किए गए, जो योग और तकनीकी उत्कृष्टता का अनूठा संगम दशार्ते हैं। हावड़ा मंडल द्वारा पश्चिम बंगाल में एक विशेष ईएमयू ट्रेन चलाई गई, जिसे योग को समर्पित किया गया। इस ट्रेन पर विभिन्न योग मुद्राओं और उनके स्वास्थ्य लाभों के चित्र प्रदर्शित किए गए। देशभर में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, रेलवे सुरक्षा बल, स्काउट्स और गाइड्स, स्कूल के छात्रों, जनप्रतिनिधियों और आम जनता की भागीदारी के साथ योग सत्रों में भारी उत्साह देखने को मिला। इन सत्रों में आसन, प्राणायाम, ध्यान और योग के समग्र लाभों पर आधारित जागरूकता गतिविधियाँ शामिल थीं। इस राष्ट्रव्यापी पहल के माध्यम से भारतीय रेलवे ने न केवल अपने कर्मचारियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया, बल्कि आम जनता के बीच योग के परिवर्तनकारी लाभों के प्रति भी जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मानसरोवर की झील में स्नान पर लगा प्रतिबंध

देहरादून । चीन ने 5 साल बाद मानसरोवर यात्रा के लिए रास्ता खोल दिया है। चीन ने मानसरोवर यात्रियों के लिये इस बार कड़ी गाइडलाइन तैयार की है। मानसरोवर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को चीन ने चेतावनी है। यात्री पवित्र झील में स्नान नहीं करेंगे। पवित्र झील का जल बोतल में भरकर ला सकते हैं। चीन के सुरक्षाकर्मी भारतीय श्रद्धालुओं के सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को लगातार चेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के ऊपर चीन द्वारा कड़ी निगाहें रखी जा रही है। मानसरोवर के लिए पहला जत्था नाथुला दर्रे से रवाना हो चुका है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र पहुंचे कश्मीर

- सुरक्षा संबंधी तैयारियों का लिया जायजा

एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर क्षेत्र का दौरे के दौरान सुरक्षा ग्रिड की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने आगामी अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए की जा रही सुरक्षा संबंधी तैयारियों का भी जायजा लिया। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने सेना प्रमुख को वर्तमान स्थिति और व्यापक रणनीतिक परिदृश्य से अवगत कराया। उन्हें अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए की जा रही सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। इस दौरान सेना प्रमुख के समक्ष उन्नत तकनीकों के एकीकरण पर भी एक प्रस्तुति दी गई। इसका उद्देश्य निर्णय क्षमता,

निगरानी और प्रतिक्रिया प्रणाली में और दक्षता लाना है। जनरल द्विवेदी ने जम्मू कश्मीर में तैनात चिनार कॉर्प्स के सभी रैंकों की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियानों के जरिए शांति और स्थिरता बनाए रखने में चिनार कॉर्प्स का योगदान बहुत सराहनीय रहा है। उन्होंने क्षेत्र के विकास और स्थानीय जनसंख्या के उत्थान के लिए की जा रही पहलों की भी तारीफ की। बता दें पिछले दिनों ही सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र स्थित अग्रिम चौकियों का दौरा किया था। वह यहां तैनात जवानों से मिले थे। उन्होंने यहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की और उनकी परिचालन व प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। सेना प्रमुख ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की तारीफ करते हुए उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा में निरंतर सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बलों को उच्चतम स्तर की तैयारी और सतर्कता बनाए रखने की जरुरत पर भी बल दिया था। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 जून को जम्मू और कश्मीर में उधमपुर स्थित उत्तरी कमान में करीब 2,500 सैनिकों के बीच पहुंचे थे।

ईरान को परमाणु-हथियार देने को कई देश हुए तैयार

एजेंसी

मॉस्को। रूस के पूर्व राष्ट्रपति एवं सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्रि मेदवेदेव ने दावा करते हुए कहा है कि कई देश ईरान को सीधे अपने परमाणु-हथियार मुहैया कराने को तैयार बैठे हैं। यह बयान अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद आया है, जिससे दुनियांभर में सनसनी फैल गई। अमेरिका ने ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान स्थित तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर बी-2 बॉम्बर से हमला किया था। पेंटागन के अनुसार, इस ऑपरेशन में छह बी-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर और परमाणु-संचालित पनडुब्बी यूएसएस जॉर्जिया

ने हिस्सा लिया। फोर्डो पर बारह 30-हजार पाउंड वजन वाले जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर बम गिराए गये, जबकि नतांज व इस्फहान पर कुल तीस टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दागी गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन को कामयाब बताते हुए कहा कि ईरान का संवर्द्धन ढांचा पूरी तरह नष्ट हो गया। जबकि ईरान ने बताया कि इस हमले में न तो कोई जन हानि हुई है और न ही न्यूक्लियर साइड को ही कोई खास नुक्सान हुआ है, रेडियोधर्मी रिसाव भी नहीं हुआ है। इसी प्रकार अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रारम्भिक निरीक्षण से भी ट्रंप के दावे के उलट तस्वीर उभरती दिखी है। एजेंसी के मुताबिक किसी स्थल से रेडियोधर्मी रिसाव नहीं हुआ, यह जरुर है कि आधा दर्जन इमारतें इस हमले में क्षतिग्रस्त मिलीं हैं। ईरानी मीडिया पहले ही दावा कर चुका है कि उच्च समृद्ध यूरेनियम पहले ही सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया था।

पहाड़ों के बीच से गुजरती उम्मीदों की ट्रेन : कश्मीर की रेल क्रांति

नई दिल्ली। जून के एक खुशगवार दिन, गेंदे के फूलों और राष्ट्रीय गौरव से लदी हुई वंदे भारत एक्सप्रेस ने श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक अपनी पहली यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडी दिखाए जाने के बाद, यह क्षण एक हाई-स्पीड ट्रेन के शुभारंभ से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण बन गया था। यह एक सदी पुराने सपने की परिणति थी जो चट्टानी इरादों, दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प से बुनी गयी थी। और वह संकल्प था - कश्मीर का शेष भारत के साथ रेल एकीकरण। इस ट्रेन में यात्रा कर रहे लोगों के खुशनुमा चेहरों से यह साफ दृष्टिगोचर हो रहा है।अल्ट्रा आधुनिक यात्रा अनुभव के साथ कश्मीर जाने वाली यह ट्रेन हमारे इंजीनियरों के परिश्रम की ठोस नींव पर आधारित है। यात्रा के समय में कमी लाते हुए, यह हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें दिन में दो बार, सप्ताह में छह बार दोनों तरफ से चल रही हैं। ये न केवल घाटी में स्थानीय आर्थिक विकास के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दे रही हैं, बल्कि देश भर के पर्यटकों के लिए भी वरदान साबित हो रही हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तीन घंटे के कम समय की इस मनमोहक यात्रा ने वास्तव में पर्वतीय कश्मीर को सभी मौसमों में शेष भारत के साथ एकीकृत कर दिया है। सड़क मार्ग से इस यात्रा में छह से सात घंटे लग जाते हैं।दशकों से, कश्मीर की कहानी संघर्ष और दूरी के नजरिये से सुनी जाती रही है। यह देखना अब उत्साहजनक है कि यह इबारत बुनियादी ढांचे -

जया वर्मा सिन्हा, पूर्व सीईओ और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष

पुल, सुरंग और पहाड़ों के बीच से गुजरती रेल लाइनों की भाषा में फिर से लिखी जा रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के 11 साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर, विशेष ट्रेनें और कनेक्टिंग लिंक कश्मीर में स्थानीय लोगों की नियति बदलने के लिए कमर कसकर तैयार हैं। राष्ट्र की सेवा के अपने 172 साल के इतिहास में, भारतीय रेल ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। रेल से जुड़ी, पुरुषों और महिलाओं की समर्पित पीढ़ियों ने संपर्क और परिवहन को रोजमर्रा की हकीकत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह एक विख्यात भारतीय विज्ञापन की एक मशहूर पंक्ति को चरितार्थ भी करती है: भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बनाती, यह राष्ट्रीय एकता का ताना-बाना भी बुनती है! अलगाव से एकीकरण तक ऐतिहासिक रूप से देखें तो कश्मीर का अलगाव केवल रूपक भर नहीं था, बल्कि यह भौगोलिक और कष्टदायी रूप से वास्तविक भी था। हिमालय की ऊंचाइयों पर बसा और अक्सर हफ्तों तक बर्फ से ढका रहने वाला यह क्षेत्र न केवल पहुंच में बल्कि अनुभव में भी दुर्गम था। सड़कें खतरनाक थीं, हवाई यात्रा सीमित थी और लंबे समय से किया जा रहा पूर्ण रेल संपर्क का वायदा एक मृगतृष्णा बनकर रह गया था। कश्मीर रेल लिंक के लिए ब्रिटिश काल का प्रस्ताव दशकों तक ड्राइंग बोर्ड पर सीमित रहा, जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से बाधित था। विचार-विमर्शों, व्यवहार्यता अध्ययनों, तकनीकी मूल्यांकनों और घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ परामर्शों के अनगिनत दौर के बाद, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) को आधिकारिक तौर पर 1994 में मंजूरी दी गई थी। उत्तरी और दक्षिणी अनुभागों में जहां निरंतर प्रगति होती रही और एक दशक के भीतर वे प्रभावी रूप से पूरे भी हो गए, कटरा से बनिहाल तक के केंद्रीय अनुभाग में हिमालय से जुड़ी कई इंजीनियरिंग और सुरक्षा चुनौतियां सामने आईं।

ईरान पर अमेरिकी हमले पर यूएन ने जताई चिंता

एजेंसी

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर चिंता जताई है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि हालात बहुत खतरनाक हैं और अब यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर जा सकता है। इसका बहुत बुरा असर आम लोगों के साथ पूरे इलाके और दुनिया पर भी पड़ेगा। शनिवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन से कुछ मिनट पहले एक बयान में गुटेरेस ने कहा कि यह हमला अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। उन्होंने कहा कि वह आज ईरान के विरुद्ध संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए बल प्रयोग से बेहद चिंतित हैं और चेतावनी दी कि इस बात का खतरा बढ़ रहा है कि यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर हो सकता है, जिसके नागरिकों, क्षेत्र और विश्व के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- इस संकट की घड़ी में जरूरी है कि हम अराजकता और तबाही के इस सिलसिले को रोकें। इस हालात का कोई सैन्य समाधान नहीं है। आगे बढ़ने का रास्ता सिर्फ बातचीत है। इससे पहले ट्रंप ने ट्रूथ पर हमले की जानकारी दी थी। ट्रंप ने कहा कि उनकी सेना ने ईरानी शासन के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों- फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर बड़े पैमाने पर सटीक हमले किए हैं।

सोम प्रदोष व्रत पर इस विधि से करें शिव-पार्वती की पूजा, हर मन्नत होगी पूरी!

ऐसी मान्यता है कि प्रदोष काल (सूर्यास्त के बाद का समय) में भगवान शिव कैलाश पर्वत पर आनंद तांडव करते हैं और सभी देवता उनकी स्तुति करते हैं। इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है और कष्ट दूर होते हैं।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित एक महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत हर महीने के दोनों पक्षों (कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष) की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। 'प्रदोष' शब्द का अर्थ है सूर्यास्त के बाद का वह समय जब रात और दिन मिलते हैं। मान्यताओं के अनुसार, यह वह विशेष काल होता है जब भगवान शिव कैलाश पर्वत पर आनंद तांडव करते हैं और सभी देवी-देवता उनकी स्तुति करते हैं। इसलिए इस समय की गई पूजा बहुत फलदायी मानी जाती है।

प्रदोष व्रत का महत्व सप्ताह के दिन के अनुसार बदलता है जिस दिन यह पड़ता है। इस बार प्रदोष व्रत सोमवार के दिन पड़ रहा है। इसलिए इसे सोम प्रदोष व्रत कहा जा रहा है। यह व्रत रखने से चंद्र दोष दूर होता है, मानसिक शांति मिलती है, और संतान सुख की प्राप्ति होती है।

पंचांग के अनुसार, सोम प्रदोष व्रत के लिए त्रयोदशी तिथि 23 जून दिन, सोमवार को सुबह 07 बजकर 37 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 24 जून दिन मंगलवार को सुबह 09 बजकर 33 मिनट पर खत्म होगी। प्रदोष काल में पूजा का समय शाम 07 बजकर 37 मिनट से रात 09 बजकर 33 मिनट तक रहेगा।

प्रदोष काल सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले शुरू होता है और सूर्यास्त के बाद लगभग 45 मिनट तक रहता है। यह वह समय है जब शिव और पार्वती अत्यंत प्रसन्न मुद्रा में होते हैं।

सोम प्रदोष व्रत की पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा प्रदोष काल में ही विशेष रूप से फलदायी होती है।

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें कि आप पूरे दिन व्रत रखकर प्रदोष काल में शिव-पार्वती की पूजा करेंगे।

घर के मंदिर में या शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। बेलपत्र, धतूरा, अक्षत (चावल), धूप-दीप आदि से सामान्य पूजा करें।

पूरे दिन निराहार (बिना कुछ खाए-पिए) रहें। यदि संभव न हो तो फलाहार कर सकते हैं, जिसमें अनाज और नमक का सेवन वर्जित होता है।

पूरे दिन मन में शिव-पार्वती का स्मरण करते रहें। सूर्यास्त से ठीक पहले या प्रदोष काल के प्रारंभ में एक बार फिर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थल को साफ करके गंगाजल से शुद्ध करें। उत्तर-पूर्व दिशा में मुंह करके बैठें। यदि संभव हो, तो गाय के गोबर से मंडप बनाएं और पांच रंगों से रंगोली सजाएं।

एक चौकी पर भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और नंदी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। यदि शिवलिंग है, तो उस पर पूजा करें।

शिवलिंग का पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से अभिषेक करें। 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र का जाप करते रहें।

भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, भांग, सफेद फूल (विशेषकर मदार के फूल), शमी पत्र, चंदन और भस्म अर्पित करें। माता पार्वती को लाल वस्त्र, लाल फूल, सिंदूर, बिंदी और सुहाग की अन्य सामग्रियां अर्पित करें।

व्रत का पारण (अगले दिन)

प्रदोष व्रत का पारण द्वादशी तिथि (24 जून) को सूर्योदय के बाद और प्रदोष काल के बाहर करें। सुबह स्नान करके भगवान की पूजा करें। किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं या दान-दक्षिणा दें। इसके बाद स्वयं सात्विक भोजन ग्रहण करके व्रत खोलें।

सोम प्रदोष व्रत का महत्व

सोमवार के दिन पड़ने वाला प्रदोष व्रत चंद्र देव को समर्पित है, क्योंकि सोम प्रदोष व्रत करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और चंद्र दोष से मुक्ति मिलती है, जिससे मानसिक शांति और स्थिरता आती है। यह व्रत संतान प्राप्ति के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

सच्चे मन से यह व्रत करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि और अच्छा स्वास्थ्य बना रहता है। यह व्रत सभी प्रकार के रोगों और कष्टों को दूर करने वाला माना जाता है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के आशीर्वाद को प्राप्त करने का एक अद्भुत अवसर है।

माता पार्वती के रूप में सती का पुनर्जन्म क्या पहले से ही था निर्धारित?

ब्रह्मांड की आदिशक्ति का प्रतिनिधित्व करने वाली माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए वर्षों तक घोर तपस्या की, जिससे वे तपस्या, दृढ़ संकल्प और अविचल भक्ति का आदर्श बन गईं।

हिंदू धर्म में माता पार्वती को प्रमुख देवियों में से एक माना जाता हैं, जो सारे जगत की जननी हैं। माता पार्वती को भगवान शिव की पत्नी और शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वे प्रकृति, उर्वरता, दैवीय शक्ति, वैवाहिक आनंद, भक्ति और तपस्या की देवी हैं। माता पार्वती भगवान शिव की दूसरी पत्नी और देवी सती का पुनर्जन्म हैं। उनकी कथा शिव पुराण, देवी भागवत पुराण, स्कंद पुराण और कालिदास के महाकाव्य 'कुमारसंभव' में विस्तृत रूप से वर्णन किया गया है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता पार्वती के रूप में सती का पुनर्जन्म पहले से ही निर्धारित था। यह एक दैवीय योजना का हिस्सा था, जो ब्रह्मांडीय संतुलन और विशेष रूप से भगवान शिव को गृहस्थ जीवन में लाने के लिए आवश्यक था, ताकि वे ताड़कासुर जैसे शक्तिशाली असुर का वध करने वाले पुत्र (कार्तिकेय) को जन्म दे सकें। यह कथा कई प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथों, जैसे शिव पुराण, देवी भागवत पुराण और कालिका पुराण में विस्तार से वर्णित है।

सती का दक्ष यज्ञ में आत्मदाह

मां सती भगवान शिव की पहली पत्नी थीं, और वे प्रजापति दक्ष की पुत्री थीं। राजा दक्ष ने जब एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया, तो उन्होंने जानबूझकर भगवान शिव और सती को आमंत्रित नहीं किया। इसके बाद सती अपने पिता के यज्ञ में बिन बुलाए ही पहुंच गईं। वहां दक्ष ने शिव का घोर अपमान किया। सती अपने पति के अपमान को सहन न कर सकीं और योग अग्नि द्वारा अपने शरीर का आत्मदाह कर त्याग कर दिया।

भगवान शिव का वैराग्य और सृष्टि का संकट

सती के देह त्याग से भगवान शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने दक्ष के यज्ञ को भंग कर दिया। इसके बाद, भगवान शिव गहरे शोक में डूब गए और वे घोर तपस्या में लीन होकर कैलाश पर्वत पर वैराग्य धारण कर लिया। शिव के वैराग्य धारण करने से सृष्टि में असंतुलन पैदा हो गया, क्योंकि उनके बिना 'शक्ति' (सती का स्वरूप) ब्रह्मांड में पूर्ण रूप से सक्रिय नहीं थी।

ताड़कासुर का आतंक और ब्रह्मा का वरदान

माता सती के आत्मदाह के बाद ताड़कासुर नामक एक अत्यंत शक्तिशाली असुर ने तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरू कर दिया था। ताड़कासुर को ब्रह्मा जी से यह वरदान प्राप्त था कि उसका वध केवल भगवान शिव के पुत्र द्वारा ही हो सकता है। चूंकि शिव घोर तपस्या में लीन थे और वैरागी थे, इसलिए देवताओं के लिए यह एक बड़ी समस्या बन गई कि शिव पुत्र का जन्म कैसे होगा।

देवताओं का हस्तक्षेप और सती के पुनर्जन्म की योजना

इस संकट को देखकर सभी देवता ब्रह्मा और भगवान विष्णु के पास गए। तब यह बात सामने आई कि सती ही हिमालयराज हिमवान और उनकी पत्नी मैना के यहां पार्वती के रूप में जन्म लेंगी। यह दैवीय योजना पहले से ही निर्धारित थी। पार्वती के रूप में सती का पुनर्जन्म शिव को वैराग्य से निकालकर गृहस्थ जीवन में लाने और ताड़कासुर का संहार करने वाले पुत्र (कार्तिकेय) को जन्म देने के लिए आवश्यक था।

पार्वती की तपस्या और शिव से विवाह

माता पार्वती ने बचपन से ही भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की। उन्होंने अपनी भक्ति और तपस्या से शिव को प्रसन्न किया। कामदेव को शिव के तप को भंग करने के लिए भेजा गया था, लेकिन शिव ने उसे भस्म कर दिया। यह दिखाता है कि शिव को जगाना कितना मुश्किल था। अंतत:, शिव ने पार्वती की भक्ति को देखकर उनसे विवाह करने का निर्णय लिया। इस विवाह के बाद ही कार्तिकेय का जन्म हुआ, जिन्होंने ताड़कासुर का वध किया।

पूर्वनिर्धारित था सती का पुनर्जन्म

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, ये बात साबित होती है कि माता पार्वती के रूप में सती का पुनर्जन्म पूरी तरह से पूर्वनिर्धारित था। यह केवल एक आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि ब्रह्मांडीय संतुलन बनाए रखने, धर्म की स्थापना करने और विशेष रूप से ताड़कासुर जैसे असुर का वध करने वाले पुत्र के जन्म को सुनिश्चित करने के लिए एक दैवीय लीला और योजना का हिस्सा था। यह शिव और शक्ति के शाश्वत मिलन और उनके अभिन्न संबंध को भी दर्शाता है।

अमरनाथ यात्रा करने से लोगों को क्या फल मिलता है?

हिन्दू धर्म के लोगों के लिए अमरनाथ यात्रा एक ऐसा अनुभव है जो भक्तों को शारीरिक और मानसिक सीमाओं से परे ले जाकर भगवान शिव से जोड़ता है, उन्हें पापों से मुक्ति दिलाता है, मनोकामनाएं पूरी करता है और अंतत: मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करता है। अमरनाथ यात्रा के पीछे भगवान शिव द्वारा देवी पार्वती को सुनाई गई अमरकथा की पौराणिक मान्यता है, जिसके कारण यह स्थान अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस यात्रा को करने से मिलने वाले प्रमुख फल और लाभ इस प्रकार हैं।

अमरनाथ यात्रा की सबसे प्रमुख मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धापूर्वक और पूरे विधि-विधान से अमरनाथ यात्रा करते हैं, उनके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं और उन्हें जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति यानी मोक्ष की प्राप्ति होती है। यात्रा की कठिनाइयां और पवित्र वातावरण आत्मा को शुद्ध करता है, जिससे व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति और पवित्रता का अनुभव होता है।

भगवान शिव की असीम कृपा

अमरनाथ को भगवान शिव का अत्यंत प्रिय निवास स्थान माना जाता है। इस यात्रा से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर अपनी असीम कृपा बरसाते हैं। कहा जाता है कि अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति को शिव का साक्षात आशीर्वाद प्राप्त होता है।

विभिन्न तीर्थों के दर्शन का पुण्य

शास्त्रों में कहा गया है कि अमरनाथ यात्रा करने से व्यक्ति को 23 तीर्थों के दर्शन करने के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, बाबा अमरनाथ के दर्शन से काशी में दर्शन का दस गुना, प्रयाग से सौ गुना और नैमिषारण्य से हजार गुना अधिक पुण्य मिलता है।

मनोकामनाओं की पूर्ति

जो भक्त सच्चे मन से अपनी मनोकामना लेकर अमरनाथ यात्रा करते हैं, भगवान शिव उनकी इच्छाओं को पूरा करते हैं। यह यात्रा भक्तों की आस्था और विश्वास को मजबूत करती है।

पारिवारिक सुख और शांति

अमरनाथ यात्रा को करने से परिवार में सुख-शांति आती है, कष्टों का निवारण होता है और सदस्यों के बीच सद्भाव बढ़ता है। यह यात्रा पारिवारिक समृद्धि के लिए भी लाभकारी मानी जाती है।

अमर पक्षी के दर्शन का महत्व

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान शिव देवी पार्वती को अमरकथा सुना रहे थे, तो एक कबूतर के जोड़े ने वह कथा सुन ली और वे अमर हो गए। ऐसी मान्यता है कि यदि किसी भाग्यशाली भक्त को गुफा में वह कबूतर का जोड़ा दिख जाए, तो उसे अत्यंत शुभ माना जाता है और यह मोक्ष प्राप्ति का संकेत हो सकता है।

प्रकृति से जुड़ाव और आध्यात्मिक अनुभव

हिमालय की मनमोहक और शांत वादियां, बर्फ से ढके पहाड़ और शुद्ध वातावरण यात्रियों को प्रकृति से गहरा जुड़ाव महसूस कराता है। यह अनुभव व्यक्ति को भीतर से शांत और तरोताजा कर देता है। यह यात्रा केवल एक भौतिक ट्रेक नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक परिवर्तनकारी अनुभव है। गुफा के अंदर की ऊर्जा और हिम शिवलिंग के दर्शन से भक्तों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यहां पर आए श्रद्धालु एक ही उद्देश्य के साथ यात्रा करते हैं, जिससे उनमें आपसी भाईचारा और एकता की भावना विकसित होती है।

निर्विकल्प बोध

महर्षि उद्दालक निर्विकल्प समाधि में प्रवेश करने के लिए अत्यंत उत्सुक थे, किंतु वे उसमें प्रवेश नहीं कर सके, क्योंकि निर्विकल्प समाधि प्रयास से नहीं, अप्रयास से प्राप्त होती है। वे उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे थे, यानी विपरीत दिशा में जा रहे थे। प्रयत्न करते-करते वे थक गए। तब उन्होंने शरीर त्यागने के लिए अनशन करने का निश्चय किया और एक वृक्ष के नीचे बैठ गए।

उसी वृक्ष पर बैठे एक तोते ने महर्षि से पूछा, 'ऋषिवर! आप यह क्या कर रहे हैं?'

महर्षि ने उत्तर दिया, 'शरीर छोड़ने के लिए अनशन कर रहा हूं।'

तोता बोला, 'जो स्वयं छूटने वाला है, उसे आप क्या छोड़ेंगे? जो नश्वर है, उसे आप क्या मारेंगे? आपका शौर्य तो तब प्रकट होगा जब आप अमृत के द्वारा मृत्यु पर विजय प्राप्त करें।'

तोते के इन वचनों से महर्षि की आंखें खुल गईं। उन्होंने अमृततत्त्व की ओर ध्यान केंद्रित किया और निर्विकल्प समाधि की दिशा में अग्रसर हो गए।

- अक्षिता तिवारी

पितृ दोष और पितरों की शांति के लिए आषाढ़ अमावस्या पर करें ये आसान काम!

आषाढ़ मास की अमावस्या तिथि को अत्यंत पुण्यदायी और लाभकारी माना गया है। इस अमावस्या को दर्श अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। अमावस्या का दिन पितरों की शांति, पितृ दोष निवारण और देवी-देवताओं की कृपा पाने के लिए सर्वश्रेष्ठ होता है। आषाढ़ मास की अमावस्या तिथि 24 जून को शाम 7 बजे शुरू होगी और इस तिथि का समापन 25 जून को शाम 4.02 बजे होगा। ऐसे में आषाढ़ अमावस्या 25 जून 2025 को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन किए गए उपाय न सिर्फ वर्तमान जीवन को खुशहाल बनाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को भी शुभ फल देते हैं।

आषाढ़ अमावस्या के उपाय

पीपल के पेड़ की पूजा- आषाढ़ अमावस्या पर सुबह स्नान करके पीपल के पेड़ पर जल अर्पित करें, वहां दीपक जलाएं और सात बार परिक्रमा करें। पीपल में पितरों और त्रिदेवों का वास माना गया है। ऐसा करने से पितृ दोष भी शांत होता है और परिवार में समृद्धि आती है।

नदी में स्नान- आषाढ़ अमावस्या के दिन गंगा या यमुना आदि किसी पवित्र नदी में स्नान करना पुण्यदायी होता है। अगर नदी न हो, तो घर में जल में गंगाजल का सेवन करें और दक्षिण दिशा की ओर मुख करके जल में तिल डालकर अर्पित करें।

पितरों के नाम पर भोजन- आषाढ़ अमावस्या पर पितरों के लिए भोजन बनाकर काली गाय, काला कुत्ता, कौआ, ब्राह्मण और जरूरतमंद को भोजन कराना चाहिए। इस उपाय को करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है पारिवारिक कष्ट दूर होते हैं।

महामृत्युंजय मंत्र का जाप- आषाढ़ अमावस्या के दिन विशेष रूप से भगवान शिव की उपासना करें और महामृत्युंजय मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए। इस उपाय के करने से सेहत और लंबी उम्र मिलती है, साथ ही सभी रोगों से मुक्ति मिलती है।

काले तिल और लोहे का दान- आषाढ़ अमावस्या पर काले तिल, लोहा, तेल और कपड़े आदि का दान विशेष फलदायी होता है। ऐसा माना जाता है कि इन चीजों को दान करने से राहु-केतु के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं और आर्थिक समस्याओं से राहत मिलती है।

गरीबों को दान दें- धार्मिक मान्यता है कि आषाढ़ अमावस्या पर छाता और कपड़े दान करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और सालभर घर में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहती है।

ब्रह्म मुहूर्त में जन्में लोग होते हैं भाग्यशाली!

भारतीय संस्कृति में समय का विशेष महत्व है। इन्हीं में से एक है ब्रह्म मुहूर्त वह पवित्र समय जब वातावरण सबसे शांत, ऊर्जा सबसे शुद्ध और मन सबसे स्थिर होता है। यही कारण है कि बड़े-बुजुर्ग, खासकर दादी-नानी यह मानती हैं कि ब्रह्म मुहूर्त में जन्म लेने वाले लोग भाग्यशाली यानी 'लकी' होते हैं। यह धारणा केवल परंपरा या आस्था पर आधारित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई गहरे सांस्कृतिक, मानसिक और वैज्ञानिक कारण छिपे हैं।

ब्रह्म मुहूर्त क्या है?

ब्रह्म मुहूर्त का शाब्दिक अर्थ है ङ्क ब्रह्मा (सृष्टिकर्ता) का समय। यह सूर्योदय से लगभग 1.5 घंटे पहले का समय होता है, यानी लगभग सुबह 3.30 से 5.30 बजे के बीच। यह समय मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ और प्रभावशाली माना गया है।

शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा का समय

ब्रह्म मुहूर्त के समय वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा बहुत कम होती है। हवा में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है, जिससे शरीर और मस्तिष्क दोनों को ताजगी मिलती है। इस समय जन्म लेने वाले शिशु पर यह सकारात्मक वातावरण प्रारंभ से ही प्रभाव डालता है, जिससे उनकी मानसिक और शारीरिक ग्रोथ बेहतर होती है।

बुद्धिमत्ता और ज्ञान की वृद्धि

दादी-नानी मानती हैं कि ब्रह्म मुहूर्त ईश्वर के साथ जुड़ने का सबसे उपयुक्त समय है। कई ग्रंथों में लिखा गया है कि इस समय में पढ़ाई या ध्यान करने से व्यक्ति की बुद्धि तेज होती है। यदि कोई बच्चा इस समय जन्म लेता है, तो ऐसा माना जाता है कि उसमें जन्मजात रूप से अधिक समझदारी, ज्ञान और आध्यात्मिक चेतना होती है।

शांत और संतुलित स्वभाव

ब्रह्म मुहूर्त के समय वातावरण शांत और स्थिर होता है। जो शिशु इस समय जन्म लेते हैं, उनका स्वभाव भी सामान्यत: शांत, सहनशील और संयमित होता है। दादी-नानी अक्सर यह भी कहती हैं कि ऐसे बच्चे बड़े होकर संयमित जीवन जीते हैं और कठिन परिस्थितियों में भी संतुलन बनाए रखते हैं।

माने जाते हैं भाग्यशाली

परंपरागत मान्यता है कि ब्रह्म मुहूर्त में जन्म लेना पिछले जन्मों के अच्छे कर्मों का फल होता है। दादी-नानी इसे एक शुभ संकेत मानती हैं कि ऐसा बच्चा न केवल अपने लिए, बल्कि अपने परिवार और समाज के लिए भी सौभाग्य लेकर आता है।

स्वास्थ्य और दीर्घायु

विज्ञान भी मानता है कि सुबह-सुबह की शुद्ध हवा शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देती है। ब्रह्म मुहूर्त में जन्म लेने वाले बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है। दादी-नानी यह मानती हैं कि ऐसे लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

आधुनिक विज्ञान भी ब्रह्म मुहूर्त के प्रभाव को नकारता नहीं है। यह समय शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक के अनुसार सबसे उपयुक्त समय होता है जब मस्तिष्क सबसे सक्रिय और सजग होता है। इस समय शरीर में सेरोटोनिन और मेलाटोनिन जैसे हार्मोन संतुलित रहते हैं, जिससे मन शांत और सकारात्मक रहता है। यदि बच्चा ऐसे माहौल में जन्म लेता है, तो उसके विकास पर सकारात्मक असर पड़ता है।

आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोक्स और पंचलाइन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की आने वाली हॉरर फिल्म मां रिलीज के लिए तैयार है। काजोल ने सिनेमा में कॉमेडी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार साझा किए। काजोल ने कहा कि कॉमेडी फिल्मों में नयापन और गहराई की कमी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो वह कॉमेडी फिल्मों में दोबारा काम करना चाहेंगी। उनका मानना है कि वह कॉमेडी फिल्मों के लिए कुछ नया पेश कर सकती हैं।

बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि अगर कंटेंट दमदार होगा, तो वह जरूर कॉमेडी में वापसी करेंगी। काजोल ने बताया कि कॉमेडी एक ऐसी शैली है, जो हर इंसान के लिए अलग है, जो बात एक इंसान को हंसाती है, जरूरी नहीं कि वही बात दूसरे को भी हंसाए। आज की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वह ज्यादातर आम लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के मकसद से बनाई जाती है, न कि किसी नए विचार से। दिलवाले फिल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल एक ही तरह के जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराए जा रहे हैं, जिससे कॉमेडी में नयापन रहा ही नहीं है।

काजोल ने कहा, मैं कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसमें बेहतरीन काम करूंगी। कॉमेडी हर इंसान के लिए अलग होती है, जो बात उन्हें मजेदार लगे, जरूरी नहीं कि वही बात किसी और को भी हंसाए। इसलिए कॉमेडी एक व्यक्तिगत पसंद की चीज है। आजकल ज्यादातर कॉमेडी फिल्में बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, न कि किसी अलग सोच या खास नजरिए से। फिल्मों में वही जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराई जा रही हैं, जिससे कॉमेडी में कोई नयापन नहीं बचा। बेहतरीन कॉमेडी फिल्म बहुत समय से देखने को नहीं मिली है। काजोल ने पुरानी फिल्मों की भी तारीफ की। उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फिल्मों में जो हास्य होता था, वह न सिर्फ मजेदार बल्कि समझदारी भरा और दिल से जुड़ा हुआ होता था। आजकल ऐसी दिल को छूने वाली कॉमेडी फिल्में कम ही बन रही हैं। अफसोस कि अब ऐसी स्मार्ट और सच्ची कॉमेडी फिल्मों की कमी हो गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल इन दिनों अपनी पहली हॉरर फिल्म मां के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में सलमान खान सिकंदर फिल्म में नजर आए। फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद सलमान खान अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत कौन सी एक्ट्रेस रहेगी। फिल्म में देशभक्ति के अलावा भरपूर एक्शन है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है। इसके बाद वह देसी ब्वॉज और गब्बर इज बैक के गाने आओ राजा में नजर आई थीं।

सलमान निभाएंगे कर्नल बी का किरदार

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बी का किरदार निभाएंगे। यह वही अफसर हैं जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था।

मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे सलमान खान

पिंकविला के मुताबिक फिल्म की फोटोग्राफी जुलाई 2025 से शुरू होगी। बताया ये भी जाता है कि फिल्म अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं।

अनुपमा ने टार्गेटेड ट्रोलिंग पर की बात

एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की गिनती साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। मलयाली होने के बावजूद अनुपमा ने तेलुगु सिनेमा में अपना एक अलग नाम कमाया है। अब अनुपमा सुरेश गोपी की फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' के साथ मलयालम सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। 'जानकी बनाम केरल राज्य' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा परमेश्वरन अपनी आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर बात की। साथ ही करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया। अभिनेत्री ने कहा, कई लोगों ने मुझे मलयालम में यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मुझे अभिनय करना नहीं आता। मुझे बहुत ज्यादा टार्गेटेड ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने जानबूझकर मेरी आलोचना की और मुझे निशाना बनाया। इन सबके बावजूद इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने मुझे मुख्य किरदार के रूप में कास्ट किया। इस फिल्म में एक दिल है और वह जानकी है। मुझे उसे सौंपने के लिए प्रवीण नारायणन का धन्यवाद।

अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' का एलान

अभिषेक बच्चन के फैंस के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान कर दिया है और उसका पोस्टर भी जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख की भी घोषणा कर दी है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल। हाल ही में अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कालीधर लापता का एलान किया है। फिल्म के पोस्टर में अभिनेता किसी बच्चे के साथ एक पेड़ पर बैठे दिख रहे हैं। इसमें वो किसी उम्रदराज और अनुभवी इंसान की भूमिका में दिख रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'चर्चाओं पर अब फुल स्टॉप! कभी-कभी, खो जाना कोई चक्कर नहीं होता, बल्कि यहीं से असली कहानी शुरू होती है। सपने, ट्विस्ट और इसे सार्थक बनाने वाले लोगों से भरपूर।' साथ ही अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन मधुमिता ने किया है और इसे जी स्टूडियो द्वारा सहयोग प्राप्त है। यह फिल्म गांव की कहानी पर आधारित है। हालांकि आपको बताते चलें कि बीते दिनों अभिनेता ने एक पोस्ट करते हुए बताया था कि वो लापता होना चाहते हैं, जिससे उनके फैंस चिंतित हो उठे थे। जबकि अभिनेता का इशारा उनकी आगामी फिल्म कालीधर लापता की ओर था।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो यह कालीधर नाम के इंसान के आस-पास घूमती है, जो एक उम्रदराज व्यक्ति है। एक दिन उसे पता चलता है कि उसका परिवार उसे छोड़ने वाला है। इस वजह से वह भाग जाता है और उसकी मुलाकात एक बच्चे से होती है। इसके बाद कहानी में असली मोड़ आता है।

अनुराग बसु के साथ पंकज त्रिपाठी की खास केमिस्ट्री बोले- उनकी और भी फिल्मों में काम करना चाहूंगा

अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो...इन दिनों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम किया। एक्टर ने उन्हें अपना पसंदीदा डायरेक्टर बताया। अनुराग बसु और फिल्म मेट्रो...इन दिनों के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, वह एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। मैं कई सालों से उनके साथ काम करना चाहता था। अगर वह मुझे अपनी फिल्मों में लेते हैं, तो मैं उनके साथ और भी फिल्में करना चाहूंगा। वह मेरे पसंदीदा डायरेक्टर हैं। उनके सेट पर हम आराम से जाते हैं। हमें न तो ज्यादा तैयारी करनी पड़ती है और न ही कोई प्लानिंग होती है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अपने तरीके से काम करना अच्छा लगता है, इसलिए मैं ज्यादा तैयारी नहीं करता। किरदार और कहानी का ढांचा पहले से तय होता है, लेकिन सीन को कैसे करना है, यह हम वहीं सेट पर तय करते हैं। पंकज ने फिल्म के बारे में बताते हुए कहा कि यह फिल्म आज के दौर के रिश्तों को दिखाएगी। एक्टर ने कहा, यही तो मेट्रो...इन दिनों की कहानी है। यह फिल्म आज के नजरिए से प्यार और रिश्तों को दिखाती है और वह भी अलग-अलग उम्र के लोगों के बीच। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो...इन दिनों आज के समय के उलझे और बदलते रिश्तों को दिखाती है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं। मेट्रोज्इन दिनों साल 2007 में आई मशहूर फिल्म लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। फिल्म के गाने प्रीतम ने बनाए हैं। इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

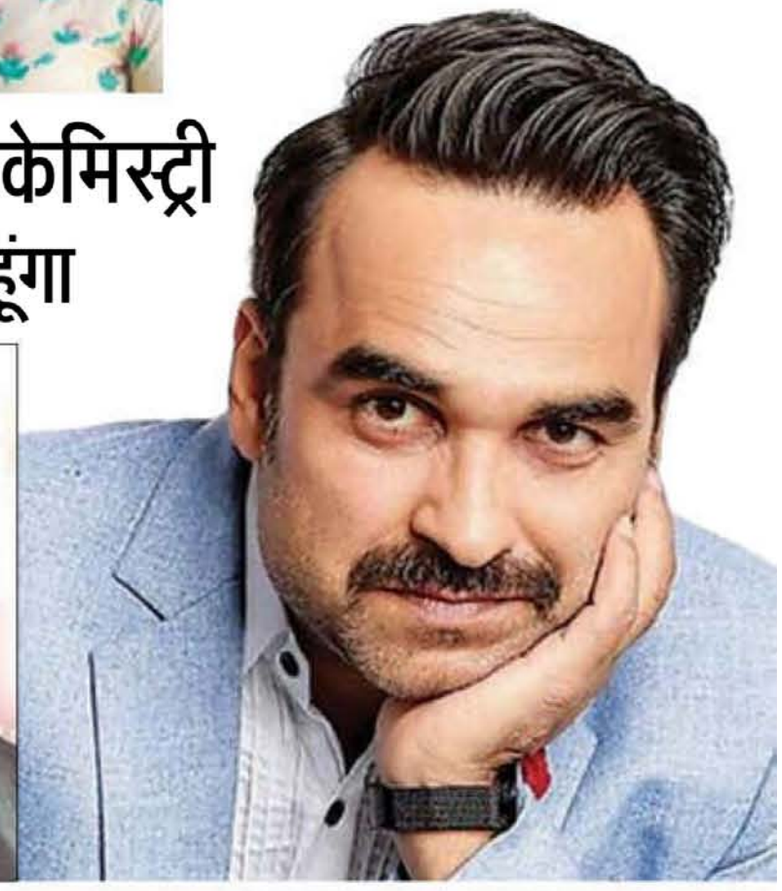

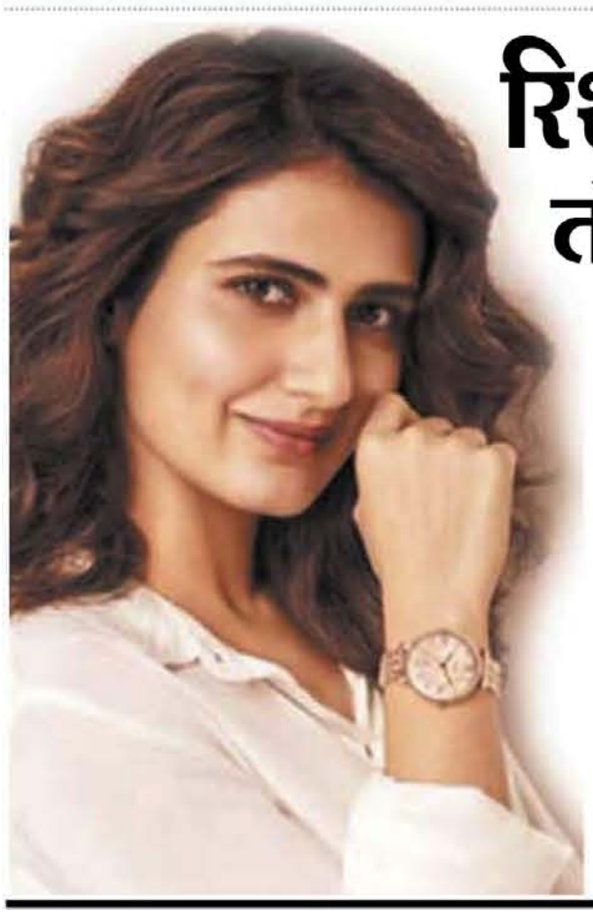

रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है तो उसका टूट जाना ही बेहतर

दंगल की गीता फोगट हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा, मॉडर्न लव मुंबई की लालजरी या धक धक की बिंदास स्काई, ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पर्दे पर हमेशा मजबूत लड़कियों के किरदार निभाए हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो...इन दिनों के लिए। ऐसे में, हमने उनसे प्यार, रिश्ते, शादी आदि पर की खास बातचीत।

एक दौर था, जब बॉलिवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाना जाता था। मगर कुछ सालों से क्राइम, ऐक्शन, थ्रिलर पर ज्यादा जोर दिख रहा है। आपको लगता है कि लोग रोमांटिक फिल्में मिस कर रहे हैं?

सौ फीसदी। हम सब मिस कर रहे हैं, क्योंकि सिनेमा को इतना सीरियस भी नहीं ले सकते। हम सबकी जिंदगी में वैसे ही इतनी मुश्किलें, इतनी सीरियस चीजें हैं कि आप पर्दे पर कुछ हल्का-फुल्का देखना चाहते हैं। रोमांटिक फिल्में हमेशा हमारी जिंदगी का हिस्सा रही हैं। हमने अपनी जिंदगी में जितना भी रोमांस किया है, उस पर कुछ न कुछ प्रभाव हमारी फिल्मों का रहा ही है। हमने फिल्मों में देखा कि शाहरुख ने ऐसा कुछ किया तो उसे अपनी असल जिंदगी में अप्लाई किया, तो वो चीज़ मुझे लगता है कि अभी मिसिंग है। हमारी फिल्म मेट्रो इन दिनों से शायद वो कमी थोड़ी दूर हो, क्योंकि इसमें अलग-अलग उम्र, अलग-अलग किस्म के प्यार की कहानी है, तो हर इंसान किसी ना किसी इमोशन रिलेट करेगा।

आजकल प्यार बहुत जटिल हो गया है, जैसा कि फिल्म में भी एक डायलॉग है। शादी की संस्था से भी युवा पीढ़ी का भरोसा उठ रहा है। आपका प्यार और शादी को लेकर क्या नजरिया है?

फातिमा ने कहा, प्यार को लेकर हम लोग जो इतना सोचते हैं कि हम प्यार ऐसे करेंगे, वैसे करेंगे, मगर असल जिंदगी में जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो उस पर कुछ कंट्रोल नहीं होता। आपके जितने भी सिद्धांत या नियम होते हैं सब खिड़की के बाहर चले जाते हैं। उसी तरह, मैं शादी में यकीन रखती हूं और मुझे लगता है कि शादी तब ज्यादा चलती है, जब बच्चा होता है। क्योंकि हमारे देश में अगर मां, बाप और बच्चा एक परिवार के रूप में साथ होते हैं, तो सरकार बहुत सारी सुविधाएं और सुरक्षा देती है। कानून भी प्रोटेक्ट करता है, तो बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा, शादी को तोड़ने के लिए बहुत सोचना पड़ता है। आप ऐसे उठकर अलग नहीं हो जाते।

फिर भी इन दिनों तो तलाक के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं...

यह भी अच्छी बात है ना। पहले तलाक एक टैबू था। दूसरे, बहुत सारी औरतें कमाती नहीं थीं। वे अपने पति पर ही निर्भर होती थीं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं होता था, इसलिए वे तलाक लेने की सोचती भी थीं तो हमारा समाज उन्हें हतोत्साहित ही करता था। मगर आज वे आत्मनिर्भर हैं। ऐसे में, अगर दो लोगों के बीच जम नहीं रहा है, तो हमें एक समाज के तौर पर उन्हें सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि ऐसे साथ रहने का क्या मतलब है? बाहरवालों के लिए बोलना आसान होता है कि शादी को निभाना चाहिए, मगर हमने बहुत देखा है कि अगर घर में क्लेश होता है तो बच्चे पर भी खराब असर ही पड़ता है। मेरे हिसाब से ऐसे में तलाक एक एंपवारमेंट है। अगर रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है, तो उसका टूट जाना ही बेहतर है।

आपने दंगल हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, धक धक या मॉडर्न लव, पर्दे पर ज्यादातर दमदार लड़कियों के किरदार ही निभाए हैं। क्या यह आपकी सोची-समझी कोशिश होती है कि ऐसे मजबूत किरदार ही निभाने हैं?

100 पर्सेंट। मुझे वो करैक्टर्स पसंद ही नहीं हैं जिसको बोलो- उठो तो उठ जाए, जिसको बोलो बैठो, तो बैठ जाए, क्योंकि मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि मुझे कोई लड़का बोले कि ये पहन, तो मैं पहन लूं। मुझे नहीं पहनना है तो मैं नहीं पहनूंगी, मेरी मर्जी है। जब मेरे मां-बाप ने मुझे कभी कुछ नहीं बोला है, तो मैं किसी और की नहीं सुनूंगी। इसलिए, हां, ऐसे किरदार मैं सोचकर ही करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसे किरदार पसंद ही नहीं आते, जिसमें रीढ़ की हड्डी न हो। देखिए, अगर एक सहमी लड़की है, जो अपने फैसले खुद नहीं ले सकती, मुझे उसे करने में भी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आखिर में उसमें बदलाव आना चाहिए, उसे सशक्त होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो वह मेरे लिए बहुत बोरिंग किरदार है।

आपके लिए एक रिश्ते में सबसे बड़ा डील ब्रेकर क्या है? दूसरे, आप अपने पार्टनर में तीन खूबियां क्या चाहेंगी?

एक्ट्रेस फातिमा ने कहा, मेरे लिए डील ब्रेकर रिश्ते में बेईमानी और भरोसा ना होना है, क्योंकि अगर भरोसा नहीं है ना तो कुछ भी करो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि मेरा पार्टनर ऐसा हो, जिस पर भरोसा किया जा सके। रही बात उसकी खूबियों की, तो उसे प्यार को जताने से कतराना नहीं चाहिए। ऐसा न हो कि अगर आई लव यू बोलना है तो उसमें 10 दिन लगते हैं। ईगो नहीं होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं, तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉइसेज बदल लो। अपना रहन सहन, कपड़ा पहनना जो भी है, वो नहीं होना चाहिए।

जलभराव रोकने की सभी तैयारी चाकचौबंद

सीईओ ने मातहत अफसरों के साथ किया शहर का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। बारिश के दौरान नोएडा में जलभराव रोकने के लिए प्राधिकरण के सीईओ ने निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में वर्क सर्किल-1 ने बताया कि सेक्टर-6 प्रशासनिक भवन के पास बारिश का पानी भरता है। इसके लिए सेक्टर-6 में इंदिरा गांधी कला केंद्र में संपवैल बनाया गया है।

जल विभाग द्वारा इंजन लगाकर पानी निकाला जाता है। धवलगिरी पॉकेट, सेक्टर-11, सेक्टर-12 के ए एवं एच-ब्लॉक में शिमला पार्क, एक्सप्रेस-वे पर सेक्टर-18ए पलाईओवर के नीचे तथा शनि मन्दिर स्थित गौशाला में जमा होने वाले पानी की निकासी सम्पवैल से की जाती है। मौके पर पम्प सेट इंजन चैक किये गये, जोकि चालू अवस्था में है। वर्क सर्किल-2 ने बताया कि सेक्टर-19 बी-ब्लॉक में मुख्य नाले में पानी ओवरफ्लो होने के कारण जल भराव की स्थिति उत्पन्न होती थी। वर्तमान में सेक्टर-19 नाले का निर्माण करा दिया गया है। सेक्टर 27 सी-ब्लॉक में जिन स्थानों पर जलभराव की समस्या है उन स्थानों पर सीसी के माध्यम से कार्य करा दिया गया है। सेक्टर-31 पॉकेट सी-1, 2, 3 व 4 सी-6 में सेक्टर-31 पॉकेट के अलावा एनटीपीसी अंडरपास, रजनीगंधा अंडररपास, सेक्टर-18 अंडरपास में पम्प लगे हुये हैं, जोकि चालू अवस्था में है। वर्क सर्किल-3 ने बताया कि सदरपुर में तालाब के पास कच्ची रोड पर जलभराव की समस्या थी। सीसी रोड बनाने के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। साथ ही लॉजिक्स मॉल सिटी सेंटर, सेक्टर-32 के सर्विस रोड पर बने नाले की सफाई जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा करायी जानी है। वर्क सर्किल-4 ने बताया कि लेबर चौक पर सेक्टर-62 की और अडानी कंपनी के पास मार्ग सं-1 पर जलभराव के निस्तारण के लिए बंद पुलियों को खुलवाने का काम चल रहा है। कार्ल हुबर स्कूल के सामने बने सर्विस रोड, इंडस वैली स्कूल से फोर्टिस अस्पताल तक जलभराव के निस्तारण के लिए आरसीसी काटकर लोहे के खुलने वाले जाल लगा दिये गये हैं। इसके अलावा सभी सर्किल ने अपने क्षेत्र में जलभराव को रोकने के लिए इंतजाम किए जा रहे है। वहीं समीक्षा बैठक के बाद सीईओ ने एलीवेटेड रोड से नीचे उतरते हुए यूफ्लेक्स के पास स्काई मार्क का निरीक्षण किया। फोर्टिस अस्पताल, सेक्टर-62 के पास बनायी जा रही नई कल्वर्ट का निरीक्षण किया गया। सेक्टर-62 एवं खोडा के बीच बनाई जा रही कल्वर्ट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को इन कार्यों को शीघ्र गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये, ताकि जलभराव की समस्या का स्थायी रुप से निस्तारण हो सके।

दलेलगढ़ की पशुचर भूमि पर अवैध अतिक्रमण

तहसील दिवस पर उपजिलाधिकारी से की शिकायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र स्थित ग्राम दलेलगढ़ की पशुचर भूमि पर अवैध कब्जे की कोशिशों के खिलाफ ग्राम विकास समिति ने कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने उपजिलाधिकारी सदर को एक प्रार्थना पत्र सौंपते हुए खाता संख्या 408, 409, 410, 411, 412 से संबंधित भूमि का पुन: सीमांकन, तारबंदी एवं अवैध कब्जे से मुक्ति की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह भूमि, जो पशुचारण के लिए आरक्षित है, उस पर स्थानीय भू-माफियाओं ने कब्जा कर रखा है। इसको लेकर 30 दिसंबर 2024 और 19 अप्रैल 2025 (IGRS No. 40014/25013136) को भी संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि लेखपाल द्वारा पूर्व में दी गई रिपोर्ट तथ्यों से परे और पक्षपातपूर्ण है, जिससे भ्रष्टाचार की आशंका प्रबल होती है।

शनिवार को आयोजित तहसील दिवस में ग्राम दलेलगढ़ के ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय लोकदल के नेता अजीत सिंह दौला के नेतृत्व में तहसील सदर मुख्यालय, ग्राम डाढा पहुँचा। ग्रामीणों ने एडीएम (ई) को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि उक्त पशुचर भूमि को तत्काल भूमाफियाओं से मुक्त कराते हुए वहां गौशाला का निर्माण कराया जाए। एडीएम (ई) ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम सदर को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष कृष्णकांत और सचिव अमित भाटी के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों को गांव के सैकड़ों लोगों का समर्थन मिल रहा है। समिति का कहना है कि पशुचर भूमि गांव की संपत्ति है और इसका संरक्षण करना प्रशासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

एआरटीओ से गाड़ी मालिक ने की शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। एआरटीओ डॉ. सियाराम वर्मा से सुशील कुमार सिंघल ने डीलर की शिकायत की है। उन्होंने शिकायत में बताया कि 13 अगस्त 2019 को सेक्टर-9 अग्रवाल एसोसिएटस से ई रिक्शा की तरह एक वाहन खरीदा था। अब उन्हें गाड़ी की आरसी और नंबर दिया है। जिसके चलते उन्हें परेशान हो रही है। ट्रैफिक पुलिस के पकड़े जाने पर उन्हें यह पता चला है।

डॉ. सियाराम वर्मा का कहना है कि इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधी डीलर को नोटिस जारी किया गया है। यदि कार्य दिवस के अंदर डीलर द्वारा सहयोग करते हुए पूर्णता कार्य नहीं किया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ से दिल्ली के सरायकाले खाँ तक दौड़ी नमो ट्रेन

नई दिल्ली (एएनआई) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली के सराय काले खां और मेरठ के मोदीपुरम के बीच पूरे नमो भारत कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेनों का निर्धारित ट्रायल रन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसमें एक घंटे से भी कम समय में 82 किलोमीटर की पूरी यात्रा पूरी की गई। इस ट्रायल के दौरान, मेरठ मेट्रो ट्रेनें भी नमो भारत ट्रेनों के साथ-साथ चलीं और सिस्टम ने सफलतापूर्वक अपने परीक्षण पूरे किए।

82 किलोमीटर का सफर 1 घंटे से भी कम समय में पूरा

यह भारत के पहले नमो भारत कॉरिडोर के संचालन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच लागू किया जा रहा है। ट्रायल के दौरान, नमो भारत ट्रेनें 160 किमी प्रति घंटे की अपनी अधिकतम परिचालन गति से 82 किलोमीटर के हिस्से में निर्बाध रूप से चलीं। ट्रेनें सराय काले खां और मोदीपुरम के बीच हर स्टेशन पर रुकीं प्रत्येक स्टेशन पर स्थापित प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत इस सिग्नलिंग सिस्टम ने बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक परीक्षण पूरा कर लिया, जो सिस्टम की तत्परता को उजागर करता है। वर्तमान में, 11 स्टेशनों वाले कॉरिडोर का 55 किमी का खंड यात्रियों के लिए पहले से ही चालू है। शेष हिस्सों पर अंतिम परिष्करण कार्य और ट्रायल रन तेजी से आगे बढ़ रहे हैं – दिल्ली में सराय काले खां और न्यू अशोक नगर के बीच 4.5 किमी का खंड, और मेरठ में मेरठ दक्षिण और मोदीपुरम के बीच लगभग 23 किमी का खंड। एनसीआरटीसी द्वारा हासिल की गई यह उपलब्धि नमो भारत कॉरिडोर के पूर्ण कमीशन की दिशा में प्रगति का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। मेरठ साउथ और मोदीपुरम डिपो के बीच मेरठ मेट्रो का ट्रायल रन भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में यह पहली बार है कि नमो भारत ट्रेनों के समान बुनियादी ढांचे पर स्थानीय मेट्रो सेवाएं प्रदान की जाएंगी। मेरठ मेट्रो के 23 किमी खंड में 13 स्टेशन हैं, जिसमें 18 किमी मार्ग एलिवेटेड और 5 किमी भूमिगत है।

गंदा पानी जमा होने पर बवाल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घर के सामने पड़ोसी की नाली का गंदा पानी जमा होने की शिकायत करने पर जमकर बवाल हुआ। दबंगों ने पड़ोसी के साथ जमकर मारपीट की जिसमें पड़ोसी का भाई घायल हो गया। पीड़ित ने थाना रबूपुरा में तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ग्राम खेरली भाव निवासी चमन छोकर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पड़ोस में रहने वाले इलियास की तरफ से उसके घर की तरफ अनावश्यक कारणों से गंदा पानी बहकर आता है। इस गंदे पानी की वजह से ग्रामीणों को भी खासी परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने इस बारे में इलियास से बात की तो वह भड़क गया और उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी।

चमन छोकर के मुताबिक वह अपने परिजनों के साथ घर के भीतर चले गए और दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद इलियास उसके भाई इस्लाम साबिर आदि घर में घुस आए और मारपीट करने लगे जिसमें उनका छोटा भाई मेजर घायल हो गया।

पीड़ित के मुताबिक इस दौरान आरोपी उसे तथा उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते रहे। दबंग पड़ोसियों की दबंगई से परेशान चमन ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

'जय हो' सामाजिक संस्था ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

दादरी की लाइफ लाइन रेलवे रोड़ की हालत जर्जर, विधायक को सौंपा मांग पत्र

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले का दादरी शहर एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र है, लेकिन दादरी शहर में कई समस्याएं खड़ी हुई हैं। 'जय हो' एक सामाजिक संस्था ने दादरी नगर की एक और प्रमुख समस्या को हल कराने का बीड़ा उठाया है। संस्था ने नगर की लाइफ लाइन यानी जीवन रेखा कहे जाने वाले रेलवे रोड़ की जर्जर हालत एवं बदहाली का मुद्दा इस बार क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर के सामने उठाया है। जिसपर क्षेत्रीय विधायक ने जय हो संस्था के प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया है कि वो जल्द ही मुख्यमंत्री एवं संबंधित अधिकारियों से मिलकर दादरी नगर के लिए महत्वपूर्ण इस मार्ग का पुनर्निर्माण कराएंगे।

सामाजिक संठन ने उठाया बीड़ा

'जय हो' एक सामाजिक संस्था के संस्थापक संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि दादरी नगर को ग्रेटर नोएडा से जोड़ने एवं व्यापारिक दृष्टिकोण से नगर के लिए जीवन रेखा कहे जाने वाले रेलवे रोड़ की हालत बीते लंबे समय से जर्जर है। वहीं आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं तक हो रही हैं। जिसे लेकर 'जय हो' एक सामाजिक संस्था बीते लंबे समय से इस मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग करती आ रही है। लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण एवं प्रशासन के अधिकारी इसपर चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसे में रविवार को 'जय हो'एक सामाजिक संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा कैंप कार्यालय पर क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर से मुलाकात कर उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। जिसपर विधायक तेजपाल सिंह नागर ने मामले को तत्काल गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कई उच्च अधिकारियों से फोन पर वार्ता करी। जिसके बाद विधायक तेजपाल सिंह नागर ने संस्था के प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि वो दादरी के निवासी हैं और शहर की इस पीड़ा को बखूबी समझ सकते हैं। शहर की इस समस्या के लिए वो जय हो के आग्रह पर पूर्व में भी प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने भरोसा दिया कि इस बार इस कार्य में कोई हीला हवाली नहीं की जाएगी। इस प्रकरण को लेकर वो जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी और संबंधित अधिकारियों से मिलकर वार्ता करेंगे और समस्या का हल कराएंगे।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में 'जय हो' एक सामाजिक संस्था के संयोजक संदीप भाटी, अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट, महासचिव परमानंद कौशिक एडवोकेट, अपना अधिकार जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष अभिषेक मैत्रेय एडवोकेट, सचिन शर्मा एडवोकेट, सुरजीत विकल, पुष्प शर्मा आदि प्रमुख लोग मुख्य रूप से शामिल रहे।

सुशील अवाना बने अ.भा गुर्जर महासभा के अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-49 में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के नोएडा महानगर अध्यक्ष चौधरी सुशील अवाना को मनोनीत किया गया। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर ने मनोनीत किया है। बैठक की अध्यक्षता चौधरी ऋषिपाल अवाना ने की। इस अवसर पर महासभा के प्रदेश महामंत्री मीडिया प्रभारी चेनपाल प्रधान ने बताया सुशील अवाना सेक्टर-104 हाजीपुर गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता स्वर्गीय केशराम प्रधान गांव के प्रधान भी रहे हैं। सुशील अवाना सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहते हैं। बैठक में विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीएन सिंह, प्रदेश के संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी, प्रदेश मंत्री प्रदीप तोंगड, क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश कृष्णपाल गुर्जर, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अमरीश चपराना उपस्थित रहे।

नोएडा महानगर के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष चौधरी सुशील अवाना ने महासभा के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए यह विश्वास दिलाया संगठन और समाज ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है, मैं उसका ईमानदारी और निष्ठा भाव से संगठन और समाज को मजबूत करने का काम करूंगा।

सभा में उपस्थित मेरठ जिले के जिला अध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना, एडवोकेट रघुराज अवाना, पाला प्रधान, ओमप्रकाश, सुंदर बाबा, ओमवीर नेताजी, पदम नगर कुलदीप भाटी, जॉनी भाटी, राजीव अवाना, नीरज चौधरी, राहुल तंवर, सुरेश कसाना, नरेंद्र अंबावता, बिल्डर मनोज अवाना, भाजपा के युवा नेता संदीप अवाना, रोहित कुमार, विक्की बैसोया, मोहित अवाना, दीपक अवाना, गजेंद्र चौधरी, मांगेराम, नकुल, सतपाल भाटी, सतपाल अवाना, सोनू भाटी, ओमदेव खरी, सतवीर सिंह, राजेंद्र, धर्मवीर पहलवान, ज्ञानेंद्र व सोमेंद्र कसाना आदि लोग मौजूद रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com